सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल.. -पेज: 7

भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 233 | मंगलवार 02 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

साधारण किसान परिवार से उपराष्ट्रपति तक, पीएम ने सभापति राधाकृष्णन की जीवन यात्रा को बताया प्रेरणादायक

नई दिल्ली: संसद का शीतकालीन सत्र आज सोमवार से शुरू हो गया है। सत्र की शुरूआत काफी गरिमामय माहौल में हुई। सदन में नए उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति बने सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका अभिवादन किया, उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया। उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद यह उनका पहला अवसर था जब उन्होंने राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री मोदी उच्च सदन ने अपने संबोधन में कहा कि शीतकालीन सत्र की शुरूआत हम सबके लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि नए सभापति का स्वागत करना और उनके मार्गदर्शन में देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना संसद के लिए बहुत अहम अवसर है। उन्होंने सदन की ओर से उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी सदस्य उच्च सदन की गरिमा बनाए रखेंगे और सभापति की मयार्दा का भी पूरा ध्यान रखेंगे। पीएम मोदी ने राधाकृष्णन के जीवन के बारे में बात करते हुए कहा कि वे एक सामान्य किसान परिवार से आते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा को समर्पित कर दिया है। राजनीति उनकी मुख्य धारा नहीं थी, बल्कि समाज सेवा उनका मूल उद्देश्य रहा है। युवा

काल से लेकर अब तक उन्होंने समाज के लिए लगातार काम किया है और यह बात उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा है जो समाज सेवा की भावना रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे साधारण प‌रि‌वार से उठकर इतने ऊंचे पद तक पहुंचना हमारे लोकतंत्र की असली ताकत को दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे राधाकृष्णन को लंबे समय से जानते हैं और उनके साथ काम करने का अवसर भी मिला है। उन्होंने बताया कि जब वे कॉयर बोर्ड के चेयरमैन थे, तब उन्होंने उसे ऐतिहासिक रूप से सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली संस्था बना दिया। इससे यह साबित होता है कि यदि किसी संस्था के प्रति सच्ची निष्ठा और समर्पण हो तो उसका कितना विकास किया जा सकता है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने उनके राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यकाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पुडुचेरी जैसे राज्यों में अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते रहे और हर जगह समाज के सबसे वंचित वर्गों के बीच रहकर काम किया। पीएम मोदी ने बताया कि झारखंड के आदिवासी समाज से उनका विशेष जुड़ाव था। वे छोटे-छोटे गांवों में जाते थे, लोगों से मिलते थे, उनकी समस्याएं समझते थे। स्थानीय नेताओं ने भी उनकी सरलता और सेवा भाव की हमेशा सराहना की। वे हेलीकॉप्टर न मिलने पर भी गाड़ी से चलते रहते थे, रात को गांवों में रुक जाते थे, फर्क सिर्फ इतना था कि उनके लिए पद कोई बंधन नहीं था। प्रधानमंत्री ने एक खास बात का ज़िक्र किया कि राधाकृष्णन कभी प्रोटोकॉल के बंधनों में नहीं बंधे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में यह बहुत बड़ी ताकत होती है। किसी पद का बोझ महसूस न करना और प्रोटोकॉल से ऊपर उठकर जनता के बीच रहना। पीएम मोदी ने उनके जीवन के दो महत्वपूर्ण अनुभवों का भी उल्लेख किया। पहला, बचपन में अविनाशी मंदिर के तालाब में लगभग डूबते-डूबते बचना।

> **प्रधानमंत्री ने कहा कि वे राधाकृष्णन को लंबे समय से जानते हैं और उनके साथ काम करने का अवसर भी मिला है। उन्होंने बताया कि जब वे कॉयर बोर्ड के चेयरमैन थे, तब उन्होंने उसे ऐतिहासिक रूप से सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली संस्था बना दिया।**

परिवार वाले बताते हैं कि वह घटना उनके जीवन पर बड़ा असर छोड़ गई। उन्हें ऐसा लगा कि शायद ईश्वर ने उन्हें किसी खास उद्देश्य के लिए बचाया। दूस‌रा बड़ा हादसा कोयंबटूर में हुआ बम धमाका था, जिसमें कई लोग मारे गए थे। उस समय भी राधाकृष्णन बाल-बाल बचे थे। इस घटना ने भी उनके मन में समाज सेवा के प्रति और गहरी भावना जगाई। उन्हें लगा कि जब ईश्वर ने उन्हें ऐसे खतरों से बचाया है, तो शायद यह संकेत है कि उन्हें समाज के लिए और अधिक समर्पण के साथ काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के समय की बात की। उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र पर संकट आया था, उस कठिन समय में राधाकृष्णन ने संघर्ष का रास्ता चुना। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, लोगों को जागरूक किया और जोखिमों के बावजूद पीछे नहीं हटे। वह दौर सीमित संसाधनों का था, लेकिन उनका जज्बा बहुत बड़ा था। पीएम मोदी ने कहा कि उस समय जिन युवाओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा रहेंगे।प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि राधाकृष्णन एक बेहतरीन संगठक रहे हैं। संगठन में उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने पूरा समर्पण और मेहनत से निभाई। वे हमेशा लोगों को जोड़ने वाले, नई सोच को अपनाने वाले और नई पीढ़ी को अवसर देने वाले नेता रहे हैं। कोयंबटूर की जनता ने उन्हें सांसद बनाकर भेजा। संसद में रहते हुए भी उन्होंने अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि राधाकृष्णन का लंबा अनुभव न सिर्फ राज्यसभा बल्कि पूरे देश के लिए बहुत उपयोगी रहेगा। उनके नेतृत्व में यह सदन और अधिक प्रभावी ढंग से काम करेगा। उन्होंने कहा कि इस गौरवपूर्ण पल को सदन के सभी सदस्य जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे।

जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है।उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि उन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'संसद किस लिए है? हम महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं कर रहे हैं?'

दिल्ली बम धमाका : एनआईए ने डॉक्टर्स और मौलवी के 10 ठिकानों पर दी दबिश

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सोमवार सुबह दिल्ली के लाल किले पर हुए कार बम धमाके मामले में बड़ी छापेमारी की। कश्मीर के शोपियां के नादिगाम, पुलवामा (कोयल), चंदगाम और अन्य इलाकों में एक साथ 10 ठिकानों पर दबिश दी।एनआईए ने बताया कि दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े डॉ आमिर राशिद, डॉक्टर अदील, डॉ मुजफ्फर समेत डॉ जसिफ और मौलवी इरफान के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनआईए ने बताया कि इस सर्च ऑपरेशन का एक मात्र उद्देश्य इस पूरे नेटवर्क का सफाया करना है। इसमें पढ़े-लिखे और पेशेवर लोग शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि वानी इस मॉड्यूल की तकनीकी रीढ़ था। उसने ड्रोनों में बदलाव किए, बैटरी और कैमरा सिस्टम को अपग्रेड किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस्तेमाल होने वाले छोटे विस्फोटक पेलोड तैयार किए। एनआईए का कहना है कि ये डिजाइन हमास और आईएसआईएस की मिडिल ईस्ट रणनीतियों से मिलते-जुलते थे। पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में वानी की मुलाकात डॉक्टर नबी से हुई थी, जहां उसे जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने को कहा गया, लेकिन नबी ने उसे आत्मघाती हमलावर बनाने की कोशिश की। बता दें लाल किला विस्फोट में इस्तेमाल कार डॉक्टर आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। अली ने ही सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एजेंसी को वानी और अन्य के ठिकानों का पता चला। अब तक पूछताछ में मिले सबूतों के आधार पर ये छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी को शक है कि यह मॉड्यूल दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में एक साथ हमले की फिराक में था।

हरियाणा के युवक की लंदन में चाकू मारकर हत्या

गुरुगांव (एजेंसी)। चरखी दादरी का 27 वर्षीय विजय कुमार सरकारी नौकरी छोड़कर फरवरी 2026 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में एमबीए की पढ़ाई के लिए गया था। परिवार की खुशी थी कि विजय पढ़ाई पूरी कर वहां बस जाएगा। उनकी मां सरोज बाला बेटे की शादी और भविष्य की कल्पना में थी। सूचना के अनुसार ?पिछले ?दिनों यूनिवर्सिटी से लौटते समय हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के पांच युवकों ने विजय कुमार पर चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लंदन पुलिस ने परिवार को फोन करके दी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय के पिता, पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह और भाई, सेना जवान रवि कुमार ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर मदद मांगी है। उनका कहना है कि बेटे का शव जल्द भारत लाया जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। विजय की बहन मोनिका और जीजा भी लंदन में ही रहते हैं। विजय के गांव जगरामबास और परिवार में गहरा शोक है। ग्रामीण, सरपंच सहित, परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे और जल्द शव लाने की मांग की। सांसद धर्मबीर सिंह और दादरी विधायक सुनील सांगवान ने विदेश मंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर इस मामले में सहायता की अपील की है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में धांधली! कई जिलों में मतदान स्थगित, 20 दिसंबर को नई तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई ज़िलों में 25 से ज़्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित कर दिए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को होंगे। शेष सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक जारी रहेगा। इन निकायों के परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, धाराशिव, चंद्रपुर, अकोल और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे। चव्हाण का समर्थन कर रहे समूह ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि लोकमान्य नगर क्षेत्र में शनिवार को हुई इस झड़प के दौरान अंबुरे और उनके सहयोगियों ने उनसे छेड़छाड़ की और लाठियों से हमला किया। स्थानीय सांसद हेमंत सावरा और भाजपा की पालघर जिला इकाई के अध्यक्ष भरत राजपूत द्वारा बीच-बचाव की कोशिश किए जाने के बावजूद दोनों पक्ष पुलिस के पास पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि अंबुरे की पत्नी वार्ड संख्या 14 से चुनाव लड़ रही हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एनसी दर्ज की गई है।

हरियाणा में बढ़ी धुंध और ठंड, एक्यूआई स्तर बना चिंता का कारण

- मौसम विभाग का अनुमान : 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में दिसंबर की शुरुआत होते ही मौसम ने करवट ले ली है। 1 दिसंबर से पूरे प्रदेश में धुंध और ठंडी हवाओं का असर बढ़ गया है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के तेज़ होने से नमी भी बढ़ रही है, जिससे शीतलहर महसूस हो रही है। 30 नवंबर को नूंह जिले में अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिसार में सुबह का न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आज हरियाणा में सुबह का तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले दिनों में दिन का तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 4-8 ?डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा। 5 दिसंबर को रात में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। हरियाणा में वायु गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। फरीदाबाद में सोमवार सुबह एक्यूआई 296, दिल्ली का 282, गुरुग्राम का 264 और अंबाला का 209 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्तर सांस संबंधी मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे बाहर निकलते समय मास्क पहनें और वायु प्रदूषण से बचाव करें। मौसक विभाग ने बताया है कि 1-5 दिसंबर तक धुंध और ठंडक बनी रहेगी। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते नमी बढ़ेगी, जिससे सुबह और शाम धुंध का असर ज्यादा रहेगा। दिन में हल्की धूप के बावजूद रातें ठंडी रहेंगी। वायु गुणवत्ता खराब रहने के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चों के पुतले लेकर कांग्रेस ने किया विधानसभा में प्रदर्शन, सरकार को बताया पूतना

भोपाल (एजेंसी)। सोमवार से मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ है। पहले ही दिन यहां कांग्रेस ने बच्चों के पुतले लेकर काफी आक्रमक प्रदर्शन किया है। पार्टी का आरोप है कि लापरवाही और अनदेखी के चलते छिंदवाड़ा में कप सीरप के कारण कई बच्चों की जान चली गई। ये राज्य सरकार पूतना का काम कर रही है। मृत बच्चों के परिजनों को सरकारी सहायता मिलना चाहिए। कांग्रेस विधायकों ने कफ सिरप से बच्चों की मौत, बढ़ते अत्याचार और सरकार की असंवेदनशीलता के खिलाफ विधानसभा परिसर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायकों ने बच्चों के पुतले लेकर और एक विधायिका द्वारा पूतना का रूप धारण कर भाजपा सरकार की नीतियों और लापरवाही को प्रतीकात्मक रूप से उजागर किया।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई बच्चों की मौत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही है। अस्पतालों में अव्यवस्था का आलम यह है कि बच्चों को चूहे तक कुतर रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा करने और जवाब देने से बच रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार बच्चों के मामले में भी संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई परिवारों के घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए, माताओं की गोद सूनी हो गई, लेकिन पूतना बनी सरकार को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और समीक्षा करने की फुर्सत तक नहीं है। अस्पतालों में ऐसी बदइंतज़ामी है कि बच्चों को चूहे तक कुतर दे रहे हैं, और सरकार इस पर चर्चा करने, जवाब देने और जम्मिदारी तय करने से लगातार बच रही है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हालत और सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जनता जानना चाहती है कि आखिर सरकार मासूमों की जान से खिलवाड़ होने पर भी खामोश क्यों है? कांग्रेस विधायकों ने साफ कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आरोपी जेल में है, सरकार ने सख्ती की है

छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के मामले में खातेगांव से बीजेपी विधायक आशीष शर्मा ने सदन के बार कहा- मामला बहुत संवेदनशील था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस पर एक्शन लिया है। कफ सिरप बनाने वाले जेल में हैं। उन्हें सजा भी होगी। इस तरह की घटनाओं से सरकार ने सबक भी लिया है।

नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।'

शशि थरूर ने फिर दिया कांग्रेस को झटका, सेहत के बहाने खास बैठक से बनाई दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की कई बार तारीफ कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर ने एक बार फिर कांग्रेस को झटका दिया है। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था। अब सोशल मीडिया पर भी शशि थरूर के रवैये को लेकर हलचल है। लोगों का कहना है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में जाने का प्लान कर रहे हैं? बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे तब शशि थरूर ने उनका भाषण सुना और फिर जमकर तारीफ की। उन्होंने शिक्षा पर की गई उनकी टिप्पणी को भी सराहा था। जबकि इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता बताते हुए कांग्रेस की खूब आलोचना की थी।पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठख में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे।कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं। अगर ऐसा ही है तो वह कांग्रेस में क्यों हैं? वह दोहरा रवैया अपना रहे हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसा करने वाली बात नहीं थी इसके बाद भी शशि थरूर को अच्छी लगी। मझे समझ में नहीं आता कि कांग्रेस पर निशाना साधना उन्हें क्यों अच्छा लगा?

चक्रवात दित्वा: श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीयों को तिरुवनंतपुरम लाया गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने चक्रवात दित्वा के कारण श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंचाया। यहां एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायु सेना का एक विमान कोलंबो से रविवार शाम साढ़े सात बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा। प्रवक्ता के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के आईएल-76 और सी-130जे वाहनों का उपयोग श्रीलंका में बचाव सामग्री और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दलों को पहुंचाने के लिए किया गया तथा फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए भी इनका प्रयोग किया जा रहा है।

यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल ही में भारतीय वायुसेना द्वारा ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के लोगों को महत्वपूर्ण मानवीय

सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सहायता प्रदान की जा रही है।विभिन्न अभियान संचालित करते हुए भारतीय वायुसेना के कई हेलीकॉप्टर ने कुल 57 श्रीलंकाई सैन्य कर्मियों को दियाथलावा सैन्य शिविर और कोलंबो से कोटमाले पहुंचाया।

श्रीलंका के मध्य प्रांत में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र कोटमाले से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है।प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एक अभियान के दौरान गरुड़ कमांडो को यहां फंसे हुए नागरिकों के पास विमान के जरिए उतारा गया जिसके बाद कमांडो प्रभावित लोगों को एक निर्धारित स्थान पर ले गए जहां से उन्हें हेलीकाप्टर से आगे जाया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''भारतीय, विदेशी नागरिक और श्रीलंकाई समेत कुल 55 नागरिकों को सफलतापूर्वक कोलंबो पहुंचाया गया। दो भारतीय हेलीकॉप्टर ने 24 घंटे लगातार काम करते हुए अब तक बचाव कार्यों के लिए 12 से ज़्यादा फेरे लगाए हैं।''

संपादकीय

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं। मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

चिंतन-मनन

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : आजाद हवा का अधिकार: प्रदूषण की कैद से मुक्ति का आह्वान

दिलीप कुमार पाठक

भोपाल गैस त्रासदी भारत के इतिहास की सबसे दुःखद घटनाओं में से एक है, जब कोई भी उस त्रासदी को याद करता है तो रूह कांप उठती है, मरने वालों एवं अपने परिजनों को खोने वाले लोगों के प्रति हमेशा लोगों में संवेदनाओं का प्रसार रहे यही कारण है कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य भोपाल गैस त्रासदी जैसी औद्योगिक आपदाओं को कैसे टाला जाए, इस पर प्रकाश डालना है। पर्यावरण प्रदूषण जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर बुरा असर डालता है। दुनिया भर में प्रदूषण की समस्या उभर कर सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र ने वायु प्रदूषण को दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बताया है। यह दुनिया का चौथा प्रमुख कारण है जिसकी वजह से हर साल 89 लाख लोगों की मौत हो जाती है। प्रदूषण के लिए कई कारण ज़िम्मेदार हैं जैसे औद्योगिक विस्फोट या रासायनिक विस्फोट उद्योगों से गैसों का रिसाव आदि सहित कई स्त्रोतों से प्रदूषण होता है।

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मिट्टी के प्रदूषण की रोकथाम करना है। सभी अच्छे और खराब कार्यों के नियमों और कानूनों की केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जाँच की जाती है, जो भारत में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी निकाय है। सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं।

भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात में शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयंत्र से जहरीला रसायन, जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट के रूप में जाना जाता है, के साथ-साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 5,00,000 से अधिक लोगों की एमआईसी की जहरीली गैस के रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी थी, बाद में, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ये घोषित किया गया कि गैस त्रासदी से संबंधित लगभग 3,787 लोगों की मृत्यु हुई थी। अगले 72 घंटों में लगभग 8,000-10,000 के आसपास लोगों की मौत हुई, वहीं बाद में गैस त्रासदी से संबंधित बीमारियों के कारण लगभग 25000 लोगों की मौत हो गयी। ये पूरे विश्व में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। जानना जरूरी है कि गैस त्रासदी के कारक क्या हैं जैसे - कई छोटे ड्रमों में भंडारण के स्थान पर बड़े टैंक में मिथाइल आइसोसाइनेट का भंडारण। कम लोगों की जगह में अधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग। संयंत्र द्वारा 1980 के दशक में उत्पादन के रोके जाने के बाद गैस का खराब संरक्षण। पाइपलाइनों में खराब सामग्री की उपस्थिति। विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों के द्वारा सही से काम न करना। ऑपरेशन के लिए संयंत्रों के स्थान पर हाथ से काम करने पर निर्भरता, विशेषज्ञ ऑपरेटरों की कमी के साथ ही आपदा प्रबंधन की योजना की कमी। सरकार द्वारा पूरी दुनिया में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए बहुत से कानूनों की घोषणा की गई, परंतु ये काफी नहीं है '

प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वायु, भूमि या वन विभिन्न प्रकार के प्रदूषण द्वारा तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें सही तरीके से नियमों और विनियमों को लागू करके तुरंत सुरक्षित करना बहुत जरूरी है।

जैसे - शहरी अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजना। ठोस अपशिष्ट और उसके प्रबंधन का वैज्ञानिक उपचार। अपशिष्ट के उत्पादन को कम करना। सीवेज उपचार सुविधा। कचरे का पुनः उपयोग और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे की उपचार सुविधा, जल आपूर्ति परियोजना। संसाधन रिकवरी परियोजना। ऊर्जा की बचत परियोजना। शहरी क्षेत्रों में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन।

स्वच्छ विकास तंत्र पर परियोजनाएं, प्रदूषण रोकने के लिये नीति, नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ ही राज्य सरकार द्वारा कई अन्य प्रयास किये गए हैं। उद्योगों को सबसे पहले प्रदूषण को कम करने के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू किये गये सभी नियमों और विनियमों का पालन करना होगा

भोपाल गैस त्रासदी को 40 साल बीत चुके हैं लेकिन बचे हुए लोग अभी भी प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं और तंत्रिका तंत्र की बीमारी का सामना कर रहे हैं। यह दिन हमें प्रदूषण के खिलाफ सख्त कदम उठाने की याद दिलाता है। यह भोपाल गैस त्रासदी की याद दिलाता है और प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह दिन पूरे देश में लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के बारे में शिक्षित करके जागरूकता बढ़ाने और उद्योगों और कारखानों के लिए सुरक्षा उपायों के लिए सख्त नियमों और नियमों की जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

(लेखक पत्रकार हैं)

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ह्लसहकार से समृद्धिह्व का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के

साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबार्दी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से ह्लईज आफ डूइंग बिजिनेसह्व के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्लसहकारिता से विकासह्व का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

बंद पड़ी फैक्ट्री से सिल्वर प्लेट चोरी का पुलिस ने किया खुलासा,दो गिरफ्तार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- बंद पड़ी फैक्ट्री से सिल्वर की प्लेट चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए शातिर चोरों के कब्जे से चोरी किए गए 5 सफेद धातु की प्लेट, 80240/- की नगद धनराशि ,घटना में प्रयुक्त 1 महिंद्रा बोलेरो पिकअप और 1 वैगनार कार बरामद की है। बता दें कि थाना बछरायूं पर 13 सितंबर 2025 को वादी पप्पू कुमार उर्फ मदनपाल सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी पछदिया थाना नौगांवा सादात जनपद अमरोहा की तरफ से अज्ञात चोरों द्वारा 25 प्लेट अल्युमिनियम, जनरेटर की बैटरी एवं कुछ अन्य सामान बंद पड़ी फैक्ट्री से

चोरी करने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था जिसके बाद तहरीर के आधार पर थाना बछरायूं पर अपराध की संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया था, जिसमें बछरायूं पुलिस द्वारा चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों सलीमुद्दीन पुत्र अल्लामोहर निवासी नया बस अड्डा मोहल्ला इस्लामनगर केलाभट्टा थाना कोतवाली जनपद गाजियाबाद एवं हफीज पुत्र हमीद निवासी खंडाव्वा थाना अतरौली जनपद अलीगढ़ हाल निवासी मौ.चचरयी कस्बा व थाना जहांगीराबाद जनपद बुलंदशहर को फतेहपुर से कुंडा रोड पर आने वाले लिंक रोड पर बाघों के बीच कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चोरी की गई पांच सफेद धातु की प्लेट, 80240/-रुपए की नगर धनराशि ,घटना में प्रयुक्त किए गए दो वाहन 1 महिंद्रा बोलेरो पिकअप एवं 1 वैगनआर कार बरामद की गई। फिलहाल पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों का अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

मंडी धनौरा में आयोजित पांच दिवसीय पीस एजुकेशन कार्यशाला का सफल समापन

75 छात्रों और शिक्षकों को पीस एजुकेशन सर्टिफिकेट का वितरण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा स्थित एक कॉलेज में पांच दिवसीय पीस एजुकेशन कार्यशाला का सफल समापन सोमवार को कराया गया। इस कार्यशाला में स्टूडेंट- टीचर ट्रेंनिंग, वर्कशॉप श्रृंखला में 75 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात 10 सालों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को फाउंडेशन की तरफ से प्रमाण पत्र वितरित किए गए। बता दें कि यह कार्यशाला फाउंडेशन द्वारा संचालित एक अंतरराष्ट्रीय पहल का हिस्सा थी। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किया गया है, जो जीवन कौशल और आत्म चिंतन आत्मक शिक्षा पर विशेष जोर देती है। कार्यक्रम की विषय सामग्री पर प्रकाश डालते हुए चीप प्रॉक्टर डॉ अनिल कुमार सिरोही ने कहा कि

'पीस एजुकेशन' व्यक्ति को आत्मक संवाद के लिए प्रेरित करती है ,यह उनके आत्मविश्वास और जीवन के प्रति दृष्टिकोण में भी सकारात्मक बदलाव लाती है।

वहीं कार्यक्रम में मौजूद अभय कुमार ने इस पहल की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आज के समय में कई छात्र और अध्यापक मानसिक तनाव तथा आत्म सम्मान की कमी का सामना करते हैं। एक प्रतिभागी ने इस कार्यशाला को एक अद्भुत और प्रेरणादायक अनुभव बताया। द प्रेम रावत फाउंडेशन का यह कार्यक्रम 84 से अधिक देशों में 40 भाषाओं में उपलब्ध है इसके प्रत्येक सत्र में प्रेरणादायक वीडियो व्याख्यान और आत्म अवलोकन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस अवसर पर वहां प्रतिभागियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस द्वारा शहर में सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु अतिक्रमण हटाओ अभियान संचालित

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात पुलिस प्रभारी, यातायात पुलिस टीम तथा चौकी प्रभारी जोया के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान दिल्ली की ओर जाने वाले सर्विस रोड पर लगे अवैध अतिक्रमण तथा मुरादाबाद की ओर जाने वाले सर्विस रोड पर फैले अतिक्रमण को पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा हटवाया गया। सड़क पर बाधा बन रहे ठेले, दुकानों के सामने बढ़ाए गए अवैध कब्जे एवं फुटपाथों पर लगी अव्यवस्थित दुकानों को हटाकर मार्ग को पूरी तरह सुगम बनाया गया। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने हेतु नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध एम.वी. एक्ट के अंतर्गत चालान की कार्रवाई भी की गई। पुलिस प्रशासन ने बताया कि यह अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा, ताकि शहर में यातायात सुचारू रहे और लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अधिकारियों ने आम जनमानस से अपील की कि वे सड़क किनारे अतिक्रमण न करें और यातायात नियमों का पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

फत्तेपुर अधेक के काली मंदिर से दानपात्र चोरी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव फत्तेपुर अधेक में स्थित काली माता मंदिर से दानपात्र चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार तब प्रकाश में आई जब मंदिर में रोजाना साफ सफाई करने वाले ग्रामीण मथरी सिंह मंदिर पहुंचे।

गांव निवासी मथरी सिंह प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह भी मंदिर की साफ सफाई करने के लिए पहुंचे थे। मंदिर परिसर में पहुंचते ही उन्होंने देखा कि मंदिर में रखी हुई दानपात्र अपने स्थान से गायब है। दानपात्र चोरी होने की सूचना मिलते ही गांव में खलबली मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने घटना के संबंध में आदमपुर पुलिस को तहरीर दे दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जाँच शुरू कर दी है।

धनौरा में बिजली चोरी के खिलाफ विजिलेंस टीम सक्रिय

चलाया चेकिंग अभियान, उपभोक्ताओं को बिल में राहत योजना की दी जानकारी

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- बिजली चोरी रोकने के लिए विजिलेंस टीम पूरी तरह से सक्रिय है और अपनी कार्यवाही लगातार कर रही है। इसके साथ ही विजिलेंस टीम द्वारा बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में राहत योजना का लाभ लेने के लिए अभियान के तहत जागरूक कर रही है। बता दें कि सोमवार को विजिलेंस टीम द्वारा नगर के विभिन्न मोहल्लों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान विजिलेंस टीम द्वारा शेरपुर चुंगी और चामुंडा मोहल्ले में छापेमारी भी की गई, जहां लोगों को बिजली चोरी रोकने के लिए जागरूक किया गया, वहीं

उपभोक्ताओं के घरेलू कनेक्शन और मीटर की जांच भी की गई जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान कई उपभोक्ता बिना मीटर और बिना कनेक्शन के अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़े गए,विभाग ने सभी का विवरण तैयार कर प्राथमिक की दर्ज कराई। इस दौरान विभाग द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया है कि बिजली चोरी एक कानूनी अपराध है और इससे विद्युत आपूर्ति में बाधा आती है यह अभियान लगातार जारी रहेगा। बिजली विभाग 1 दिसंबर से अपने उपभोक्ताओं को बिजली बिल चोरी के मामलों और मुकदमों से छुटकारा दिलवाने के लिए छूट अभियान चला रहा है, अवर अभियंता राजू सिंह ने बताया कि 1 दिसंबर 2025 से 31 फरवरी 2026 तक बकायादारों को सरचार्ज माफी के साथ मूलधन में भी 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी आरसी कटने वाले उपभोक्ताओं को भी इस छूट का लाभ मिलेगा। इस अभियान में अवर अभियंता राजू सिंह, सर्वेश कुमार, राहुल कुमार, इंद्रपाल सहित कई विद्युत कर्मी मौजूद रहे । विधुत विभाग की इस कार्यवाही से क्षेत्र में बिजली चोरी करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

बाल विवाह पर लगी रोक, नाबालिग लड़की की रुकवायी गई शादी

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- जिले में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने एक नाबालिग लड़की की शादी रोक दी। मामला थाना सैदनगली क्षेत्र के एक गांव का है, जहां 16 वर्षीय लड़की की शादी करायी जा रही थी। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह को सूचना मिली कि गांव में एक नाबालिग का विवाह हो रहा है। जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए राकेश सिंह, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अतुलेश भारद्वाज, चाइल्ड हेल्पलाइन काउंसलर मोहम्मद आदिल तथा मिशन शक्ति टीम के साथ महिला पुलिस बल मौके पर पहुंचा। टीम ने पहुंचते ही विवाह स्थल पर चल रहे कार्यक्रम को रोक दिया। जांच में पाया गया कि लड़की नाबालिग है, जिसके बाद शादी तुरंत रुकवा दी गई। लड़की को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया तथा काउंसलिंग की गई।

पुलिस ने लड़के पक्ष व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 एवं किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम 2005 की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि बाल विवाह एक गंभीर अपराध है और इसकी सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों की शादी कानूनी उम्र (18 वर्ष) पूरी होने के बाद ही करें। यह कार्रवाई जिले में बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बाल विवाह कराने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम सूर्य घर योजना में लापरवाही पर डीएम ने लगाई बैंकर्स को फटकार

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजनांतर्गत संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं वेंडर्स के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। निधि गुप्ता वत्स ने विभिन्न बैंकों में महीनों से लंबित पत्रावलियों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए फटकार लगाते हुए सुधार न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीएम सूर्यघर योजना से संबंधित लोन पत्रावालियों को बैंक में अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। इसके साथ बैंकवार लंबित पत्रावलियों की जानकारी कारण सहित उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित पत्रावलियों को 03 दिसंबर तक निस्तारित करना सुनिश्चित करें अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उपस्थित सभी वेंडर्स से भी धनराशि प्राप्त होने के बाद शीघ्रता से सोलर पैनल इंस्टॉल कराने के भी निर्देश दिए। इसके साथ सभी बैंकों के जिला समन्वयक से रिजेक्ट की गई फाइलों की समीक्षा कर रिजेक्ट का कारण सहित बुधवार को होने वाली बैठक में प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए। सभी अधिशासी अधिकारयों को भी शहरी क्षेत्र में लोगों को प्रेरित करते हुए योजना से लाभांवित कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन के मध्य योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिल सकता है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https://pmsuryaghar. gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी पीओ नेडा मसीहा नजम, एलडीएम सहित विद्युत विभाग, अन्य विभागीय अधिकारी एवं वेंडर्स उपस्थित रहे। -

पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने के मामले में पति समेत तीन पर केस दर्ज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली में एक व्यक्ति पर पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने के आरोप में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि व्यक्ति द्वारा पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी कर ली गई और पहली पत्नी और उसके परिवार वालों को सड़क हादसे में मरवाने की धमकी भी दी गई है।

बता दें कि गजरौला नगर कोतवाली में एक व्यक्ति पर पहली पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी करने का आरोप है।इस मामले में पीड़ित महिला की शिकायत पर न्यायालय के आदेश पर पति समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि पति ने पहली पत्नी और उसके मायके वालों को सड़क हादसे में मरवाने की धमकी भी दी है। पूरा

मामला नगर कोतवाली के एक मोहल्ले की निवासी महिला ने बदायूं के बिसौली निवासी अपने पति अनिल शर्मा भारद्वाज के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार उसकी शादी अनिल शर्मा के साथ वर्ष 2010 में हुई थी ,उसने आरोप लगाया है कि वर्ष 2023 से उसके पति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। पीड़ित महिला के मुताबिक 26 फरवरी 2025 को उसके पति ने उसे तलाक लिए बिना ही एक अन्य महिला से अवैध रूप से शादी कर ली, एक दिन पति दूसरी पत्नी की बहन और पिता ने पिता के घर आकर हमला कर दिया उन्होंने पीड़िता व उसके बच्चों और ससुर के साथ मारपीट की ,इस घटना की स्थानीय थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी, इस घटना से चिढ़कर इसी साल 10 सितंबर को आरोपी दोबारा पीड़िता के घर आ गए उन्होंने पीड़िता और उसके परिवार वालों के साथ फिर मारपीट की ,इस दौरान पति ने धमकी देते हुए

कहा कि उसने दूसरी शादी कर ली है और वह उसके परिवार को सड़क हादसे में मरवा देगा। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी थी लेकिन पहले केस दर्ज नहीं किया गया, इसके बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने अनिल शर्मा भारद्वाज मुनेश और रोशनी भारद्वाज के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।इस मामले में सीओ अंजलि कटारिया ने बताया है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कूड़ा मुक्त आयोजन बना गंगा तिगरी मेला 2025 मिला प्रमाण पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के प्रयास से गंगा तिगरी मेला - 2025 को कूड़ा मुक्त आयोजन (जीरो वेस्ट इवेंट) का प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया गया की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा तिगरी मेला 2025 को पूरी तरह कूड़ा मुक्त आयोजन कराये जाने के आदेश देते हुए इसका थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन कराये जाने के लिए Institute of Sustainable Development, Krukshetr को इस कार्य करने के लिए नामित किये जाने हेतु पत्राचार / पंजीकरण किया गया। इस कार्य की देखरेख हेतु मेला अधिकारी / अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह द्वारा नदीम अख्तर जिला कार्यक्रम प्रबंधक

CERTIFICATE
of
Single Use Plastics & Garbage Free Mahotsav
(30th November, 2025)

This is to certify that
Tigri Ganga Mela – Gangotsav, 2025
Organized (28th Oct to 6th Nov.) by Nagar Palika Parishad, Amroha
has been declared as
"Single Use Plastics & Zero Waste to Landfill Mahotsav"
For this achievement, planned & dedicated efforts of the District Administration and Nagar Palika Parishad, Amroha (UP) are highly appreciated. This certificate is issued upon verification of self declaration/ evidences submitted & virtual observation in comply with protocol prescribed under Certification Guidelines -2025.

Dr Kuldeep Singh
Coordinator (Co)

Dr Ashok Chauhan
Secretary, Green Earth

INSTITUTE OF SUSTAINABLE DEVELOPMENT, KURUKSHETRA
(An Autonomous Body of)
Green Earth-Organization for Environment, Health, Safety & Sanitation &
Key Resource Center & Sector Partner - National Jal Jeevan Mission
Department of Drinking Water & Sanitation, New Delhi

स्वच्छ भारत मिशन शहरी को नामित किया गया। मिनी कुम्भ के नाम से प्रसिद्ध इस विशाल गंगा तिगरी मेला मे इस वर्ष अनुमान के अनुसार 35 से 40 लाख श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के कुशल निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी (वि. रा.) गरिमा सिंह के नेतृत्व मे जनपद की समस्त निकायों द्वारा इस विशाल आयोजन को जीरो वेस्ट आयोजन बनाने के लिए जनजागरूकता, प्रचार प्रसार, व स्वच्छ भारत मिशन के घटको का पालन करते हुए प्रदेश के बड़े मेलो मे इंगित गंगा तिगरी मेला 2025 को पूरी तरहॉ जीरो वेस्ट इवेंट, कूड़ा मुक्त आयोजन बनाने के लिए योजनाबद्ध व व्यवस्थित प्रकार से कार्य किया गया। नामित संस्था द्वारा इसका निरीक्षण व प्रमाणीकरण किया गया। निर्धारित मानको का पूर्ण रूपेण क्रियान्वयन पाए जाने पर इंस्टिट्यूट ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र द्वारा तिगरी गंगा मेला 2025 को सिंगल यूज प्लास्टिक एवं कूड़ा मुक्त महोत्सव का प्रमाण पत्र दिया गया है। मिनी कुम्भ के नाम से प्रसिद्ध गंगा तिगरी मेला जिसमे इस वर्ष 35 से 40 लाख श्रद्धांलुओं द्वारा पुण्य लाभ प्राप्त किया गया है,

इतने विशाल आयोजन को प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं कूड़ा मुक्त आयोजन बनाया जाना जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की दूरदर्शिता एवं कुशल नेतृत्व का प्रमाण है। इस आयोजन मे सहयोग करने वाले समस्त जनपदीय विभाग बधाई के पात्र हैं।

नसीर नगला के ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह के अधिकार सीज, अनियमितता के लगे आरोप

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड अमरोहा अंतर्गत ग्राम पंचायत नसीर नगला के ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह के सभी वित्तीय एवं प्रशासिक अधिकार निलंबित कर दिए गए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि प्रधान पर मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता और धन के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। शिकायत लखमीचंद पुत्र तोताराम सिंह सहित अन्य ग्रामवासियों ने की थी। शिकायती पत्र पर मुख्य विकास अधिकारी के आदेश दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को जांच शुरू हुई। पहले चरण में मनरेगा अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी ने प्रारंभिक जांच की, जिसमें प्रधान को दोषी पाया गया। इसके बाद जिलाधिकारी अमरोहा ने जिला पंचायत राज

अधिकारी पारुल सिसोदिया एवं सहायक अभियंता (लो.नि.वि.) विजय मित्तल की दो सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की।समिति ने 12 सितंबर 2025 को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, जिसमें प्रधान नरेंद्र सिंह को कई गंभीर अनियमितताओं के लिए दोषी ठहराया गया। रिपोर्ट के आधार पर 25 सितंबर 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, किंतु प्रधान ने कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया। दूसरा अनुस्मरण 25 अक्टूबर 2025 को भेजा गया, फिर भी जवाब नहीं आया।परिणामस्वरूप जिला पंचायत राज अधिकारी ने पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह के सभी अधिकार निलंबित करते हुए उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्रामवासियों ने इस कार्रवाई पर संतोष जताया है तथा पारदर्शी जांच की सराहना की है।

टीका उत्सव में आएं और जानलेवा बीमारियों से बचाव को टीका लगवाएं

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिसंबर माह में टीका उत्सव मनाया जाएगा। 01 से 31 दिसंबर तक मनाए जाने वाले टीका उत्सव में नियमित टीकाकरण में छूटे हुए बच्चों को टीके लगाए जाएंगे। इसके लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यपाल सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जनपद अमरोहा में 01 से 31 दिसंबर तक मनाया जाएगा टीका उत्सव इस टीका उत्सव में सभी लोग बढ़-चढ़कर भाग लें। और एक स्वस्थ समाज अपने बच्चों को स्वस्थ बनाने के लिए टीकाकरण

कराएं। सीएमओ ने कहा कि अपने आसपास ऐसे बच्चों को चिन्हित करें, जो टीकाकरण से छूट गए हैं, उनके अभिभावकों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें। टीकाकरण कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों से बचाव की कुंजी है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सुखदेव सिंह ने बताया कि टीका उत्सव के दौरान पेंट-1 के 16869 टीके एमआर-1 के 13461 टीके और एमआर-2 के 16913 छूटे हुए बच्चों को टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है। टीका उत्सव में नियमित टीकाकरण संत्रों पर छूटे हुए बच्चों को टीके लगाकर आच्छादित किया जाएगा। सभी आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में एक विशेष ड्यू लिस्ट बनाएंगी, जिसमें छूटे हुए बच्चों को अंकित किया जाएगा। सत्र से एक दिन पहले आशा व आंगवाडी कार्यकर्ता बुलावा पर्ची भेजेंगी और सत्र स्थल पर लाकर छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण कराएंगी। इसके साथ ही आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में महिला आरोग्य समिति की बैठक आयोजित करेंगी, जिसमें उन माताओं और अभिभावकों को बुलाया जाएगा, जिनके बच्चे किसी न किसी टीके से वंचित हैं। इस बैठक में अभिभावकों को पूर्ण टीकाकरण के लाभ से अवगत कराया जाएगा और अपने बच्चों को टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विरोधी परिवारों के बच्चों का टीकाकरण करने के लिए जनप्रतिनिधि, प्रधानों और प्रभावशाली व्यक्तियों की सहायता ली जाए।

बहजोई खाटू श्याम मंदिर स्थित रेलवे क्रॉसिंग 45 बी पर दो दिनों तक मार्ग बंद, ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा बहजोई में खाटू श्याम मंदिर मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग नंबर 45 बी पर मरम्मत कार्य के चलते दो दिनों के लिए वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। यातायात पुलिस ने यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए अलग से मार्गों का इंतजाम किया है। यह व्यवस्था आज सुबह 8 बजे से 3 दिसंबर शाम 7 बजे तक जारी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, बहजोई रेलवे स्टेशन स्थित क्रॉसिंग पर आवश्यक कार्य पूरा होने तक मार्ग बंद रहेगा, जिससे स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले वाहनों को परेशानी न हो, इसके लिए डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। चौधरी सराय सम्भल से बहजोई, बदायूं और गुन्नौर की ओर जा रहे सभी प्रकार के वाहन फरीदपुर मंदिर

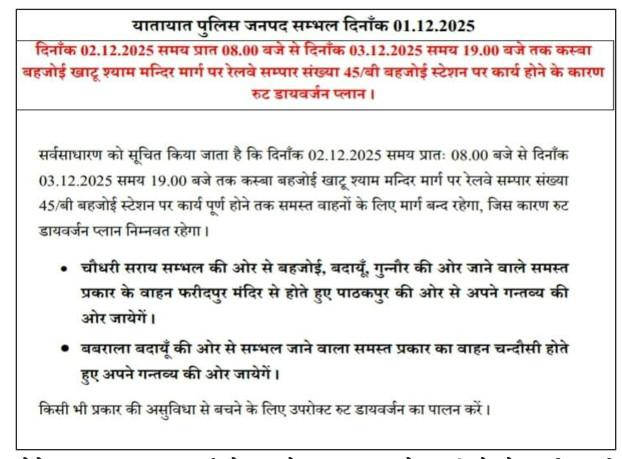
यातायात पुलिस जनपद सम्भल दिनाँक 01.12.2025

दिनाँक 02.12.2025 समय प्रात 08.00 बजे से दिनाँक 03.12.2025 समय 19.00 बजे तक कस्बा बहजोई खाटू श्याम मन्दिर मार्ग पर रेलवे सम्पार संख्या 45/बी बहजोई स्टेशन पर कार्य होने के कारण रुट डायवर्जन प्लान।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनाँक 02.12.2025 समय प्रातः 08.00 बजे से दिनाँक 03.12.2025 समय 19.00 बजे तक कस्बा बहजोई खाटू श्याम मन्दिर मार्ग पर रेलवे सम्पार संख्या 45/बी बहजोई स्टेशन पर कार्य पूर्ण होने तक समस्त वाहनों के लिए मार्ग बन्द रहेगा, जिस कारण रुट डायवर्जन प्लान निम्नवत रहेगा।

- **चौधरी सराय सम्भल की ओर से बहजोई, बदायूँ, गुन्नौर की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहन फरीदपुर मंदिर से होते हुए पाठकपुर की ओर से अपने गन्तव्य की ओर जायेगें।**
- **बबराला बदायूँ की ओर से सम्भल जाने वाला समस्त प्रकार का वाहन चन्दौसी होते हुए अपने गन्तव्य की ओर जायेगें।**

किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए उपरोक्त रुट डायवर्जन का पालन करें।

होते हुए पाठकपुर मार्ग से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

वहीं, बबराला बदायूं से सम्भल की ओर आ रहे वाहन चंदौसी होते हुए वैकल्पिक रूट अपनाएंगे। पुलिस ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि निर्दिष्ट डायवर्जन का सख्ती से पालन करें, यात्रियों से अपील की गई है कि वे स्थानीय समाचारों के माध्यम से अपडेट रहें ताकि किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सके। यात्रियों से अनुरोध है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और धैर्य बनाए रखें।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की संशोधित तिथियां जारी

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्व साधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) की पूर्ण में घोषित तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी कर दी गई हैं। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 11 दिसंबर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का सम्भाजन भी 11

दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। 12 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक कंट्रोल टेबल का अद्यतनीकरण एवं आलेख्य नामावली की तैयारी की जाएगी। दिनांक 16 दिसंबर 2025 को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा। ल 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

16 दिसम्बर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। 10 फरवरी 2026 को आयोग से अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त की जायेगी तथा जनपद में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

इंडियन पिकलबॉल लीग का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि यह अनूठी पहल देश में नए खेलों को बढ़ावा देने, युवाओं में खेल संस्कृति का विस्तार करने और खिलाड़ियों को बड़े मंच से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'इंडियन पिकलबॉल लीग' न सिर्फ एक प्रतियोगिता है, बल्कि यह भारत के उभरते खेल इकोसिस्टम को और अधिक गतिशील एवं सशक्त बनाएगी। यह लीग युवाओं के लिए बेहतर अवसर है। ऐसे आयोजनों से नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान, प्रोत्साहन और प्रगति का मार्ग मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने खेलों को भारत की नई राष्ट्रीय संस्कृति और युवा ऊर्जा का प्रतीक बना दिया है। उनके सतत मार्गदर्शन से भारतीय स्पोर्ट्स इकोसिस्टम पहले से कहीं अधिक मजबूत और जीवंत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा से खेलों का देश रहा है और नए खेलों को अपनाने की परंपरा हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस लीग को हमारी सरकार दिल्ली के स्कूलों, खेल आयोजनों और युवा कार्यक्रमों में भी जोड़ेंगे, ताकि यह खेल सभी के लिए एक रोमांचक और लोकप्रिय खेल बन सके। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। क्या

है पिकलबॉल पिकलबॉल एक पैडल खेल है जिसमें टेनिस, बैडमिंटन और पिंग-पोंग के तत्वों का मिश्रण होता है। इसे बैडमिंटन के आकार के कोर्ट पर एक प्लास्टिक की गेंद और ठोस पैडल (रैकेट के समान) के साथ खेला जाता है। यह एकल या युगल में खेला जाता है और इसका आविष्कार 1965 में अमेरिका में एक मनोरंजक खेल के रूप में हुआ था।

जिला अस्पताल में अनोखा मामला: न्यूज कवरेज के लिए नर्स से लेनी पड़ेगी परमिशन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के जनपद का जिला अस्पताल अपनी साफ-सफाई, मरीजों की उत्तम देखभाल और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए जाना जाता है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. ए.के. भंडारी दिन-रात मेहनत कर अस्पताल की व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने में जुटे हैं। मरीजों को समय पर इलाज, दवाइयां और स्टाफ की मुस्तैदी के कारण यह अस्पताल क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है।लेकिन इसी अस्पताल में एक हैरान करने वाला वाकया सामने आया है। स्टाफ नर्स सुरभि आर्य ने

अस्पताल के अंदर सकारात्मक न्यूज कवरेज करने पहुंचे एक स्थानीय समाचार पत्र के संवाददाता को वार्ड की वीडियो बनाने से रोक दिया। नर्स ने साफ शब्दों में कहा कि बिना उनकी अनुमति के कोई वीडियो नहीं बनाई जा सकती। जबकि संवाददाता अस्पताल की बेहतर व्यवस्था, साफ-सफाई और मरीजों की देखभाल को दिखाने के लिए कवरेज कर रहे थे।

इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में चर्चा है कि एक स्टाफ नर्स का इस तरह प्रशासनिक हस्तक्षेप करना कहां तक उचित है? कई लोगों का मानना है कि नर्स का यह रवैया अस्पताल की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है और सीएमएस सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मेहनत पर पानी फेरने वाला है।अस्पताल प्रशासन ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। देखना यह है कि इस घटना के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग क्या कार्रवाई करता है।

एसआईआर का असली उद्देश्य क्या था? बिहार चुनाव पर आप का बड़ा आरोप, भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद विभिन्न राज्यों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने एक नया आरोप लगाया है। आप ने दावा किया है कि एसआईआर का वास्तविक उद्देश्य दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में रह रहे बिहार मूल के उन मतदाताओं की पहचान करना था, जिन्हें चुनाव के दौरान बिहार भेजकर मतदान करवाया जा सके। पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन्हीं मतदाताओं को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराते हुए बड़ी संख्या में बिहार पहुँचाया, जिसके कारण राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 200 से अधिक सीटें जीतने में सफल रहा।

आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के प्रदेश प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर के नाम पर देशभर में मतदाता सूची में हेरफेर किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह पूरी प्रक्रिया भाजपा को लाभ पहुंचाने के इरादे से की गई। भारद्वाज ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, 'एसआईआर के नाम पर पूरे देश में

धांधली चल रही है। चुनाव आयोग खुलकर भारतीय जनता पार्टी को जिताने के लिए मतदाता सूचियों में बदलाव कर रहा है।'

'दिल्ली-हरियाणा से मतदाताओं को भेजकर कराया गया मतदान'

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि हरियाणा और दिल्ली में रह रहे बिहार मूल के हजारों लोगों को संगठित रूप से बिहार ले जाया गया और उनसे मतदान कराया गया। उनका कहना था कि ऐसे मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन का दावा किया गया, जबकि वास्तव में उनका नाम दो जगह वोटर सूची में मौजूद रहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के कई जिलों से विशेष रूप से ट्रेनें चलाई गईं और लोगों के लिए मुफ्त टिकट, यहाँ तक कि आर्थिक सहायता तक दी गई। उन्होंने कहा, 'हरियाणा में रहने वाले वे लोग, जिनका वोट बिहार में था, उन्हें मुफ्त टिकट देकर पहुँचाया गया और उनसे भाजपा के पक्ष में मतदान कराया गया। दिल्ली में भी यही हुआ। यह सब रिकॉर्ड में दर्ज है।'

'एसआईआर का मकसद बाहरी मतदाताओं का पता लगाना था'

आप नेता ने आगे कहा कि एसआईआर के नाम पर बिहार के बाहर रह रहे मतदाताओं की पहचान की गई, ताकि चुनाव के दौरान उन तक पहुँचकर उन्हें राज्य वापस भेजा जा सके। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एसआईआर के तहत मतदाता सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, तो एक ही व्यक्ति का नाम बिहार और अन्य राज्यों की सूची में एक साथ कैसे मौजूद रहा। उन्होंने कहा, 'यह पूरी प्रक्रिया यह पता लगाने के लिए की गई कि बिहार में किन लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन वे दिल्ली, हरियाणा या उत्तर प्रदेश में कहाँ रहते हैं। ताकि चुनाव के समय उन्हें संपर्क कर मुफ्त टिकट देकर बिहार भेजा जा सके और बड़े पैमाने पर मतदान कराया जा सके।''

विवाद और राजनीतिक तापमान बढ़ा

एसआईआर को लेकर आप द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बाद राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। हालांकि चुनाव आयोग ने अब तक इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन विपक्ष इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी में है। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह इस मामले को संसद से लेकर सड़क तक ले जाएगी और मतदाता सूची में कथित हेरफेर की उच्च-स्तरीय जांच की मांग करेगी। फिलहाल एसआईआर का उद्देश्य, प्रक्रिया की पारदर्शिता और बिहार चुनाव से इसके संबंध को लेकर राजनीतिक घमासान गहराने के आसार बन गए हैं।

जी-वैगन ने तीन को रौंदा: घायल ललित बोला- बचने का किया प्रयास

नई दिल्ली। मर्सिडीज जी वैगन की टक्कर लगने से घायल हुए ललित को जब होश आया तो पुलिस ने उसका बयान दर्ज किया। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि वह मूलरूप से नैनीताल, उत्तराखंड के रहने वाला है। हादसे वाली रात वह अपने दोनों दोस्त कपिल व रोहित के साथ रेस्टोरेंट से घर जाने के लिए निकला था। उस समय रात के सवा दो बज रहे थे। तभी उसने देखा कि एक काले रंग की मर्सिडीज गाड़ी उनकी ओर बड़ी रफ्तार से आ रही है। कार ने डिवाइडर को टक्कर मारी। कार उनकी ओर बढ़ी तो तीनों फुटपाथ पर चढ़ गए। तीनों बचने के लिए भागने लगे, लेकिन वह बच नहीं सके और कार ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी रोहित व कपिल को अपने साथ घसीट कर ले गई। गाडी आगे जाकर रोड पर लगे लोहे के खंभे से टकरा गई। बाद में गाड़ी पलट भी गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार पूछताछ में आरोपी की पहचान शिवम अरोड़ा के रूप में हुई। वह अपनी पत्नी तनिषा और अपने बड़े भाई प्रणव के साथ मौके पर मौजूद मिला। मर्सिडीज जी वैगन ने तीन युवकों को रौंदा, एक की मौत दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बसंतकुंज नॉर्थ इलाके शनिवार देर रात मर्सिडीज जी वैगन एसयूवी गाड़ी चला रहे युवक ने ऑटो स्टैंड पर खड़े तीन दोस्तों को रौंद दिया। हादसे में एक उत्तराखंड के चमोली जिले के रहने वाले रोहित सिंह बिष्ट नाम के युवक की मौत हो गई जबकि दो साथी गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने आरोपी कार चालक शिवम (29) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ललित उर्फ लल्लन (24) और कपिल (25) को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों की हालत नाजुक है। पुलिस ने चालक के खून के नमूने लिए हैं ताकि पता किया जा सके कि वाहन चलते समय कहीं वह नशे में तो नहीं था। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि शनिवार देर रात 2:33 बजे हादसे की सूचना टीम पहुंची तो वहां तीन युवक घायल मिले। दुर्घटनाग्रास्त एक मर्सिडीज जी वैगन (जी63) मिली।

आरोपी कार चालक शिवम और उसकी पत्नी व बड़ा भाई भी मौके पर ही मिल गए। छानबीन में पता चला कि रोहित, ललित और कपिल तीनों एंबिएंस मॉल के पॉल रेस्टोरेंट में नौकरी करते थे। रोहित शेफ था। देर रात करीब 2:10 तीनों ऑटो स्टैंड पर सवारी का इंतजार कर रहे थे तभी यह हादसा हो गया।

प्रदूषण के मूल कारणों पर लगाम लगाने में सरकार विफल : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी भीषण प्रदूषण की चपेट में है और हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया 'मौसम का आनंद लीजिए' टिप्पणी राजनीतिक विवाद का विषय बन गई है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री पर दिल्लीवासियों की पीड़ा का मज़ाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए इसे 卐पूरी तरह असंवेदनशील' बताया। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में स्वास्थ्य आपात स्थिति जैसी परिस्थितियाँ बनी हुई हैं, तब केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार को प्रदूषण नियंत्रण संबंधी ठोस निर्देश देने चाहिए थे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री 24 घंटे वातानुकूलित वातावरण में रहते हैं, इसलिए उन्हें दिल्ली के आम नागरिक–विशेषकर गरीब वर्ग–के संघर्ष का वास्तविक अनुभव नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के कारण राजधानी में सांस लेना तक चुनौती बन गया है और ऐसे समय में प्रधानमंत्री का हल्के स्वर में बयान देना चिंताजनक है।

बहजोई डिग्री कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर भव्य जागरूकता गोष्ठी संपन्न

बहजोई/संभल(सब का सपना):- डिग्री कॉलेज में सोमवार को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आसपास के समुदाय में HIV/AIDS तथा क्षय रोग (TB) की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार और जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. तरुण पाठक एवं जिला क्षय रोग अधिकारी (DTO) डॉ. संतोष कुमार रहे। दोनों अधिकारियों ने छात्रों को HIV और TB से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए सुरक्षित व्यवहार, नियमित जांच और उपचार की

जरूरत पर जोर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने कहा, HIV/AIDS को लेकर समाज में जो डर, छुआछूत और भेदभाव है, उसे खत्म करना ही इस बीमारी को खत्म करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। HIV छूने, एक साथ खाना खाने या सामान्य संपर्क से नहीं फैलता। उन्होंने सभी से सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाने और नियमित जांच कराने की अपील की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि HIV संक्रमित व्यक्तियों में TB होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, इसलिए दोनों की एक साथ जांच जरूरी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला संभल में HIV और TB की जांच, दवाइयाँ, पोषण सहायता तथा काउंसलिंग पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं। विश्व एड्स दिवस 2025 की थीम End Inequalities, End AIDS" पर विशेष चर्चा हुई। इस थीम के तहत समाज में व्याप्त असमानता और भेदभाव को समाप्त कर HIV प्रभावित लोगों को सम्मान और समान अवसर देने का संदेश दिया गया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वी. के. गुप्ता एवं चीफ प्रॉक्टर डॉ. गीता वार्ष्णेय ने भी समय पर जांच और जागरूकता के महत्व पर प्रभावी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग एवं NTEP टीम संभल के साथ-साथ संपूर्ण सुरक्षा केंद्र की टीम ने भी सक्रिय सहयोग किया। प्रमुख रूप से जिला पीपीएम समन्वयक पंकज यादव, विजयपाल सिंह, शाकिब खान वारसी, गजेंद्र सिंह, DPM संजीव राठौड़, एआरओ महेश गौतम, मैनेजर तबस्सुम, कंचन मिश्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं जागरूक रहेंगे बल्कि अपने परिवार और समाज में भी HIV/AIDS एवं TB के प्रति सही जानकारी फैलाएंगे।

पत्नी के अवैध संबंध के शक में पति ने लकड़ी के फट्टे से पीट-पीटकर कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पति ने अपनी पत्नी के अवैध संबंध के शक में उसे लकड़ी के फट्टे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी पति को 30 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया है। आपको बता दें मृतका के भाई अमरीश पुत्र राजेश्वर, निवासी ग्राम भीरावटी, थाना धनारी ने थाना बहजोई में दी गई तहरीरी सूचना में बताया कि उनकी बहन की हत्या उसके पति ने की है।

सूचना पर थाना बहजोई पुलिस ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी विपिन कुमार पुत्र सत्यपाल, निवासी ग्राम भवन, थाना बहजोई ने अपनी पत्नी पर अवैध संबंध का शक होने पर गुस्से में

आकर लकड़ी के फट्टे से लगातार प्रहार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थाना नखासा पुलिस टीम ने 30 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर ग्राम भवन चौराहे से आरोपी विपिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी पर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाई की जा रही है।

बिजली कर्मी दुर्घटना में बना मौत का ग्रास, घर में कमाने वाला एकमात्र सहारा था मृतक

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र के कस्बे शाहाबाद में दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे-44 पर एक कार सड़क पर खड़े ट्रक के नीचे घुस गईं। इस दुखद दुर्मेंघटना में कार चला रहे बिजली निगम के क्लर्क की मौके पर मौत हो गई। क्लर्क के जीजा ने उसे बाहर निकालने की भरपूर कोशिश भी की लेकिन निकालने में कामयाब नहीं हो पाए। जिसके बाद हाइड्रा मशीन की मदद के साथ कार को बाहर खींचा गया। मृतक की पहचान जितेंद्र कुमार (28) निवासी दुखेड़ी जिला अंबाला के रूप में हुई। जितेंद्र कुमार अंबाला में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम में कार्यरत थे। जितेंद्र के जीजा भी उनके पीछे अपनी कार में आ रहे थे। दोनों करनाल से अपनी-अपनी कार में अंबाला लौट रहे थे। रमित कुमार (30) निवासी जलबेड़ा जिला अंबाला ने बताया कि वह बिजली निगम में कार्य थे उनका साला जितेंद्र भी उनके साथ ही काम करता था वह 29 नवंबर को अपने साले जितेंद्र के साथ अपने किसी निजी काम से करनाल गए थे दोनों अपनी अपनी अपनी कार में घर लौट रहे थे। बिना इंडिकेटर जगाए सड़क पर खड़ा था ट्रक

रमित कुमार ने बताया कि जितेंद्र अपनी कर को सही स्पीड में चला रहे थे वह जितेंद्र को अपनी कार से फॉलो कर रहे थे नेशनल हाईवे 44 पर धनतोड़ी गांव के पास सड़क के बीचों-बीच ट्रक संख्या फख -07 ऋ9132 खड़ा था जिसके ड्राइवर ने ट्रक का कोई रिफ्लेक्टर ऑन नहीं किया हुआ था, पार्किंग साइन बोर्ड भी नहीं लगाया हुआ था और ना ही कोई लाइट ही जगा रखी थी। इस दौरान उसके साल की कार उस ट्रक के पिछले हिस्से में टकरा गई जबकि उसने खुद को बचाते हुए अपनी कार को बाईं तरफ मोड़ लिया।

जितेंद्र ट्रक के नीचे फंसी हुई कार के बीच फंस गया। उन्होंने तुरंत अपनी कार रोक कर जितेंद्र को बाहर निकालने की भरसक कोशिश की, मगर कार की खिड़कियां नहीं खुली। दुर्घटना को देखते हुए राहगीरों ने तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल किया और मौके पर पुलिस को बुलाया गया। इसके बाद पुलिस द्वारा हाइड्रा मशीन बुलाकर, मशीन के जरिए ट्रक के नीचे फंसी हुई कार को बाहर निकाला गया। जितेंद्र को कार के बाहर निकाल कर सिविल अस्पताल कुरुक्षेत्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में रमित के बयान पर शाहबाद पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है पुलिस ने सब का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों के हवाले कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र के पिता ज्ञानचंद की भी पहले ही मृत्यु हो चुकी है जितेंद्र के सहारे ही उनके परिवार का गुजारा चल रहा था।

सर्दी में रहना है बीमारियों के बचकर, तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान, डॉक्टर गिरीश बंसल ने दी सलाह

चंडीगढ़ : जाने माने एम डी मैडिसन डॉक्टर गिरीश बंसल ने कहा है कि बढ़ती सर्दी में केवल सुबह की धूप में सैर ही लाभकारी है।शाम की सैर का ठंड और प्रदूषण के बढ़ने से परहेज करना चाहिए। डॉक्टर गिरीश डी वाई मेडिकल कॉलेज पूना से एम बी बी एस व एम डी मैडिसन करने के बाद 32 मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में पंचकूला नागरिक हॉस्पिटल में कार्यरत हैं। सर्दियों में एम डी मैडिसन डॉक्टर गिरीश बंसल की सलाह है कि ठंड से बचें, पौष्टिक भोजन करें और हाइड्रेटेड रहें। नियमित व्यायाम करें, लेकिन सुबह जल्दी सैर करने से बचें, खासकर अगर आपको दिल या फेफड़ों की बीमारी है; इसके बजाय हल्की धूप में या शाम को टहलें। यदि कोई भी बीमारी के लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से तुरंत सलाह लें, खासकर अगर वे बढ़ जाएं। डॉक्टर गिरीश बंसल का कहना है कि गर्म कपड़े पहनें,हाइड्रेटेड रहें और त्वचा को सूखने से बचाएं।आहार में विटामिन डी के लिए धूप का आनंद लें और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पौष्टिक व मौसमी खाद्य पदार्थ खाएं। सूखे मेवे जैसे बादाम, अखरोट और किशमिश फायदेमंद होते हैं।नियमित रूप से व्यायाम करें लेकिन बहुत सुबह और बहुत ठंडे समय में बाहर जाने से बचें। अगर आपको कोई बीमारी है तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही व्यायाम शुरू करें। हर रात 7-9 घंटे की पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित करने के लिए ध्यान या गहरी सांस लेने जैसी तकनीकों का उपयोग करें। बीमार लोगों से दूर रहें, हाथ बार-बार धोएं और चेहरे को छूने से बचें। यदि डॉक्टर सलाह दें तो फ्लू का टीका लगवाएं। डॉक्टर गिरीश बंसल का कहना है कि दिल के रोगीः ठंड में विशेष ध्यान रखें। डॉक्टर की सलाह के बिना दवा बंद न करें और सामान्य से ज्यादा खाने से बचें। श्वसन संबंधी समस्या वाले मरीज अस्थमा, सीओपीडी, आदि सुबह बहुत जल्दी बाहर न जाएं। डॉक्टर की सलाह लें और लक्षणों पर नजर रखें। अगर दिक्कत हो तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। खांसी, जुकाम या बुखार जैसे लक्षण दिखने पर घर पर पारंपरिक उपचार लेने के बजाय तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

आयोग को इस दिन तक भेजी जाएंगी ग्रु प-सी पदों की रिक्विजिशन

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को सीधी भर्ती कोटे के अंतर्गत ग्रुप-सी पदों की मांग (रिक्विजिशन) भेजने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर से बढ़ाकर 10 दिसम्बर, 2025 की गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, सभी बोर्डों व निगमों के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को इस सम्बन्ध में नए निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश 10 नवम्बर, 2025 को जारी पूर्व निदेशों के आंशिक संशोधन के तौर पर जारी किए गए हैं। इसके अलावा सरकार ने लिपिक के पदों के लिए फिलहाल हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को कोई मांग (रिक्विजिशन) न भेजने का भी निर्णय लिया है क्योंकि निकट भविष्य में लिपिक के रिक्त पदों को कॉमन काडर के ग्रुप-डी कर्मचारियों से भरने का का मामला विचाराधीन है। इसलिए जिन विभागों, बोर्डों और निगमों द्वारा पहले ही लिपिक पदों की रिक्विजिशन आयोग को भेजी जा चुकी है, उन्हें तत्काल प्रभाव से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, आयोग को भी ऐसे रिक्विजिशन पर आगे कोई कार्रवाई न करने के लिए कहा गया है।

मनीषा के पिता का बड़ा दावा, बोले- सीबीआई ने माना मर्डर

भिवानी : भिवानी की चर्चित मनीषा डेथ मिस्ट्री एक बार फिर सुर्खियों में है। मृतक शिक्षिका के पिता संजय ने दावा किया है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अब इस मामले को आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या के रूप में देख रही है।

उनके अनुसार, जांच टीम ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वे इस बार बिना किसी अहम खुलासे के वापस नहीं लौटेंगे। संजय ने यह भी बताया कि सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें एम्स दिल्ली की मेडिकल रिपोर्ट के बारे में अवगत कराया है, जिसमें रोहतक पीजीआई की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाए गए हैं।

रोहतक पीजीआई ने मनीषा की मौत को आत्महत्या मानते हुए बताया था कि उसके शरीर में मोनो कोर्टफोर्स नामक कीटनाशक पाया गया, जबकि शरीर पर किसी भी प्रकार के संघर्ष के निशान नहीं मिले थे।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं कर पाए थे कि जहर स्वयं खाया गया या किसी ने जबरन खिलाया था। इसके विपरीत, एम्स की रिपोर्ट ने रोहतक पीजीआई के निष्कर्षों का खंडन किया है,

जिसे मनीषा के पिता संभावित हत्या की ओर इशारा मान रहे हैं। हालांकि, सीबीआई अभी तक जांच की दिशा और निष्कर्षों पर आधिकारिक रूप से कुछ भी सार्वजनिक नहीं कर रही है।

मनीषा के पिता संजय ने कहा कि आने वाले 4 से 5 दिनों में वे ग्रामीणों के साथ मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। 13 अगस्त को मिला था खेतों में शवबता दें कि भिवानी जिले के गांव सिंघानी में 13 अगस्त को खेतों में मनीषा का शव मिलने के बाद से ही यह मामला विवादों में रहा है। परिवार व अन्य संगठन इसे हत्या केस मान रही है, वहीं पुलिस का कहना है कि ये आत्महत्या का मामला है।

हरियाणा के इस जिले में कल स्कूल रहेंगे बंद, सीएम सैनी ने किया ऐलान

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में आज 21 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ एक मिनट के लिए वैश्विक गीता पाठ किया। इस कार्यक्रम में नायब सैनी, बाबा रामदेव और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ज्योतिसर तीर्थ पर जाकर माथा टेका। यहां मुख्यमंत्री ने पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया और हवन-यज्ञ में आहुति डाली। कार्यक्रम के बाद सीएम नायब सैनी ने कल मंगलवार को कुरुक्षेत्र के स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि गीता के अष्टादश श्लोक से पूरा आकाश गूंज उठा है। यह हमारे लिए बहुत ही खुशी की बात है कि भारत के साथ-साथ अनेक देशों में गीता के श्लोक गूंजे। इस गीता पाठ के केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक महत्व भी है। यह अपने आप में एक प्रार्थना भी है।

सरकारी स्कूल में 59.28 लाख का बड़ा गबन, इन अधिकारी-कर्मचारियों पर केस दर्ज

नूंह : नूंह जिले के पुन्हाना क्षेत्र के गांव सिंगार स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में लंबे समय से चल रहे बड़े वित्तीय घोटाले का खुलासा हुआ है। बिछोर थाना पुलिस ने स्कूल के तत्कालीन डीडीओ और मैसेंजर की कथित मिलीभगत से कर्मचारियों के यूनिक कोड का उपयोग कर 59 लाख 28 हजार से अधिक रुपये के गबन का मामला दर्ज किया है। इस गबन की शिकायत गणित अध्यापक हामिद हुसैन ने दर्ज कराई, जो 2009 से सितंबर 2017 तक सिंगार स्कूल में तैनात रहे थे। ट्रांसफर के बाद उन्होंने किसी प्रकार का एरियर, एलटीसी या भत्ता नहीं लिया था। लेकिन 2018 में सैलरी स्लिप निकालने पर उन्होंने पाया कि उनके यूनिक कोड का दुरुपयोग करते हुए मार्च 2018 में दो बार खाते का नाम और नंबर बदलकर 2.20 लाख रुपये एरियर और 16,500 रुपये शिक्षा भत्ता निकाल लिया गया था। इसी तरह जून 2016 में उनकी 2016-19 की एलटीसी राशि 49,140 रुपये भी बिना आवेदन के मैसेंजर वाहिद अहमद के खाते में भेज दी गई।

जांच की मांग पर डीडीओ मोहम्मद अली और मैसेंजर ने केवल 25 रुपये की फर्जी रसीद दिखाई। बाद में दबाव बढ़ने पर वाहिद ने नकद 49 हजार रुपये लौटाए और नया चालान बनाने की बात कही।शिकायत में आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने अन्य कर्मचारियों के यूनिक कोड से भी फर्जी बिल पास कर लाखों रुपये हड़पे।

हामिद ने 2018 में ही इस धोखाधड़ी की शिकायत प्रिंसिपल से लेकर निदेशालय तक की थी। एएसपी आयुष यादव के अनुसार, बिछोर पुलिस ने मोहम्मद अली (तत्कालीन DDO), वाहिद अहमद (मैसेंजर) और एसएस मास्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मुख्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। शिकायतकर्ता ने 2016–19 के सभी वित्तीय रिकॉर्ड की फोरेंसिक जांच की मांग भी की है।

इस रेलवे स्टेशन को मिलेगी चारदीवारी की सु रक्षा, आधु निक डिजाइन पर खर्च होंगे 2.19 करोड़ रुपए

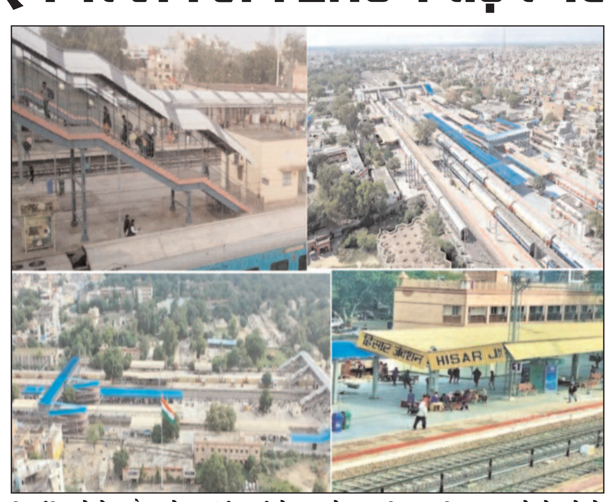

हिसार : हिसार रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रेलवे प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। स्टेशन को पूरी तरह सुरक्षित दायरे में लाने के लिए लगभग 2200 मीटर लंबी मजबूत बाउंड्रीवॉल का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के लिए रेलवे ने 2 करोड़ 19 लाख रुपये की स्वीकृति देते हुए निर्माण का टेंडर जारी कर दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, कार्य जल्द ही शुरू होने की संभावना है। स्टेशन के चारों ओर बनने वाली यह आधुनिक डिजाइन की दीवार बाहरी व्यक्तियों की अनधिकृत एंट्री पर पूरी तरह रोक लगाएगी। फिलहाल परिसर में शरारती और असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ने से यात्रियों की सुरक्षा तथा रेलवे संपत्ति दोनों पर खतरा बना हुआ है। नई बाउंड्रीवॉल बनने के बाद स्टेशन में प्रवेश सिर्फ निर्धारित गेटों और प्लेटफॉर्म मार्ग से ही संभव होगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह दीवार न केवल सुरक्षा मजबूत करेगी, बल्कि परिसर की स्वच्छता और सुंदरता में भी सुधार लाएगी। साथ ही रेलवे भूमि पर हो रहे संभावित अतिक्रमण को रोकने में भी मददगार होगी। परियोजना पूरी होने के बाद स्टेशन परिसर अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और नियंत्रित प्रवेश प्रणाली के साथ यात्रियों के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करेगा।

खिलाड़ी अमन की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खामियांः पिता बोले- भर्ती का समय और उम्र गलत, मेल की जगह लिखा फीमेल

बहादुरगढ़ : बास्केटबॉल पोल के नीचे दबकर जान गंवाने वाले खिलाड़ी अमन के परिजनों ने पुलिस में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने पीजीआई रोहतक के डॉक्टरों, बास्केटबॉल पोल मेंटेनेंस और स्टेडियम के जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इतना ही नहीं उन्होंने अमन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी भारी लापरवाही होने की बात कही है। परिजनों का आरोप है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दो अलग-अलग जगह अमन की उम्र अलग-अलग दर्शाई गई है। इतना ही नहीं मेल की जगह अमन को फीमेल लिखा गया है।

अमन के पिता सुरेश का कहना है कि पीजीआई के डॉक्टरों ने अमन के इलाज में लापरवाही बरती थी। उसका अल्ट्रासाउंड समय पर नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि वे करीब 5:30 बजे उपचार के लिए अमन को लेकर पीजीआई रोहतक पहुंच गए थे लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इलाज शुरू होने का समय 7:50 दिखाया गया है। रविवार 23 नवंबर को बास्केटबॉल का पोल गिरने से अमन उसके नीचे दब गया था और 24 नवंबर को उपचार के दौरान पीजीआई में उसने दम तोड़ दिया था। अमन के चचेरे भाई रिंकू का कहना है कि अमन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के पहले पन्ने पर अमन की उम्र ठीक लिखी गई है। जो कि 15 साल थी। वहीं इस रिपोर्ट में आगे उसे 25 साल दशार्या गया है। इतना ही नहीं मेल की जगह अमन को फीमेल लिखा गया है। पीजीआई के डॉक्टरों ने अमन का इलाज करने में तो लापरवाही बरती ही। इसके साथ ही उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाते समय भी भारी लापरवाही की है।

उन्होंने अमन की मौत के जिम्मेदारों की पहचान करके उन्हें सख्त से सख्त सजा देने की मांग पुलिस से की है। कोई भी प्रशासनिक अधिकारी सरकार की ओर से मिलने नहीं पहुंचा बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन के पिता का कहना है कि अब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी सरकार की ओर से उनसे मिलने नहीं पहुंचा। बहादुरगढ़ के एसडीएम ने भी उन्हें सरकार द्वारा दी जाने वाली राहत राशि देने के लिए बैंक अकाउंट संबंधी डिटेल मांगी थी। इसके लिए उन्हें ऑफिस ही बुलाया गया था।

2 बहनों का इकलौता भाई था अमनखिलाड़ी अमन की मौत के बाद परिवार का हौसला बिल्कुल टूट चुका है। अमन दो बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता घर चलाने के लिए दिल्ली में कॉन्ट्रैक्ट बेस की नौकरी करने के साथ-साथ सुबह और शाम के समय रैपीडो भी चलाते हैं। वार्ड पार्षद राजेश तंवर ने सरकार से अमन की बहनों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है ताकि पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता हो सके।

खबर एक्सप्रेस

रोहित गोदारा गैंग के 7 शार्प शूटर गिरफ्तार, आधु निक हथियारों समेत 200 गोलियां बरामद

सोनीपत : सोनीपत की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने उत्तर भारत में गैंगवार की बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए कुख्यात अपराधी रोहित गोदारा गिरोह के 7 शार्प शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। STF टीम ने आरोपियों के पास से 7 अत्याधुनिक पिस्टल और करीब 200 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। आज सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करके STF द्वारा रिमांड पर लिया जाएगा। STF ने ऑपरेशन ट्रैक-डाउन के तहत जिन 7 शूटरों को पकड़ा है, उनमें रोहित (निवासी कटवाल, सोनीपत), मोहम्मद शाजिद, मानव कुमार, विकासपाल, हैप्पी, जब्बरजंग और विजय कुमार शामिल हैं। ये सभी विभिन्न वसूली मामलों और फायरिंग की वारदातों में गोदारा गिरोह के लिए सक्रिय थे। बरामद हथियारों में 1 जिगना, PX-3, दो इंडियन 9 और एक स्टार मेक पिस्टल शामिल हैं। साथ ही आठ मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। STF एसपी वसीम अकरम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय गैंग सरगनाओं को चिन्हित किया जा रहा है। विदेश में बैठे संचालकों के खिलाफ डिपोर्टेशन प्रक्रिया और इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाने की कार्रवाई भी जारी है। उत्तर भारत में लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गिरोह के बीच गहरी फूट के बाद लगातार गैंगवार की आशंका बनी हुई थी। इसी बीच विदेश में बैठे रोहित गोदारा ने हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब और चंडीगढ़ में व्यापारियों व प्रतिद्वंद्वी अपराधियों को निशाना बनाने की योजना तैयार की थी। लेकिन सोनीपत STF के इंस्पेक्टर योगेंद्र दहिया और उनकी टीम को समय रहते इस प्लान की जानकारी मिल गई।

हरियाणा में अब इतने दिन में मिलेगा वजन-माप के सत्यापन का ऑनलाइन प्रमाण-पत्र

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग (विधिक माप विज्ञान संगठन) की हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के तहत अधिसूचित एक सेवा में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब वजन और माप इत्यादि के सत्यापन के लिए ऑनलाइन प्रमाण-पत्र जारी करने या नवीनीकरण की समय-सीमा 30 दिन से घटाकर 3 दिन कर दी गई है। इस सेवा के लिए विधिक माप विज्ञान अधिकारी (निरीक्षक) को पदनामित अधिकारी जबकि सहायक नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी तथा उप नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया है।

हरियाणा में बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी, इतने दिन में मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

हरियाणा : हरियाणा के बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी आई है। अब उपभोक्ताओं को नया बिजली कनेक्शन लेने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली कनेक्शन देने की समय-सीमा निर्धारित कर दी है। HERC द्वारा जारी नई समय-सीमा के तहत अब मेट्रोपॉलिटन शहरों में उपभोक्ताओं को पूर्ण आवेदन जमा करने के तीन दिनों के भीतर बिजली कनेक्शन प्राप्त होगा जबकि नगर क्षेत्रों में यह कनेक्शन 7 दिनों के भीतर प्रदान किया जायेगा। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कनेक्शन प्राप्त करने की समय-सीमा 15 दिनों की रखी गई है।

50 लाख यु वाओं के लिए खु शखबरी, मिलेगा रोजगार...हरियाणा ने बनाया विजय डॉक्यु मेंट

चंडीगढ़ : हरियाणा में 50 लाख युवाओं के लिए खुशखबरी आई, उन्हें रोजगार मिलेगा। बताया जा रहा है कि प्रदेश में साल 2047 तक 50 लाख नए रोजगार बनाए जाएंगे। राज्य का विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार है, जिसमें भविष्य के हरियाणा की तस्वीर दिखाई गई है। सीएम सैनी की अगुवाई में तैयार इस विजन डॉक्यूमेंट में बताया गया है कि कैसे हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। बता दें कि पीएम मोदी के विकसित भारत का विजन आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त, सक्षम, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के निर्माण का है। इस विजन को साकार करने में हरियाणा की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। वहीं प्रदेश सरकार ने "मिशन हरियाणा-2047" नामक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स गठित की है जिसने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को दस खरब डालर तक पहुंचाने और 50 लाख युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए काम शुरू कर दिया है। हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए "डिपार्टमेंट आफ फ्यूचर" विभाग बनाया गया है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसी नवीनतम तकनीकों द्वारा विकास की संभावनाओं को तलाशेगा।

हरियाणा की बबीता दीदी ने ढूंढ निकाला पैसे कमाने का नया तरीका, कचरे की समस्या हो रही दूर

फरीदाबाद : आजकल कचरे से बढ़ता प्रदूषण बहुत बड़ी समस्या बन गया है, वहीं फरीदाबाद शहर के कुछ लोग न सिर्फ कचरे का निपटान कर रहे हैं, बल्कि इसे कमाई का जरिया भी बना रहे हैं। कचरे से बनी यह खाद फरीदाबाद के साथ-साथ दिल्ली और गुरुग्राम जैसे शहरों के लोग भी खरीद रहे हैं। यह खाद एक नेचुरल प्रोसेस से बनती है और इसका इस्तेमाल किचन गार्डन और पार्कों में किया जाता है। फरीदाबाद की समर पाम सोसायटी की रहने वाली बबीता सिंह पेशे से कंटेंट राइटर हैं और फ्रीलांसर के तौर पर काम करती हैं। उनकी कई किताबें पब्लिश हो चुकी हैं। बबीता सिंह को कचरे से खाद बनाने का आइडिया YouTube वीडियो देखकर आया। उन्होंने YouTube से खाद बनाने का पूरा प्रोसेस सीखा। उन्होंने 2021 में एक ड्रम से शुरूआत की। शुरूआत में वह अपनी और अपने पड़ोसियों की रसोई से कचरा इकट्ठा कर रही थीं। धीरे-धीरे, दूसरे लोग भी उनकी इस मुहिम से जुड़ने लगे। उनके पास ऐसे दर्जनों ड्रम हैं, जिनमें खाद तैयार की जा रही है। पूरी सोसायटी का कचरा यहीं पर डाला जाता है और उससे खाद तैयार की जाती है। सोसायटी में 776 से ज्यादा परिवार रहते हैं। रोजाना 400 ँ कचरा निकलता है।

नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

–यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्र्यू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी। क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

बलूचिस्तान में 24 घंटे में सात धमाके, एफसी हेडक्वार्टर पर फिदायीन हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पिछले 24 घंटों में आतंकी गतिविधियों ने एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है। इस दौरान कम से कम सात बड़े विस्फोट हुए और नोकुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती फिदायीन हमला हुआ। हमलावर ने मुख्य गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भयंकर गोलीबारी शुरू हो गई। एफसी बलूचिस्तान साउथ के अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम छह हथियारबंद हमलावर परिसर में घुस आए। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई शुरू की और अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। एफसी के प्रवक्ता ने कहा, 卐हर कमरे की तलाशी ली जा रही है। जब तक आखिरी आतंकी को खत्म नहीं कर दिया जाता, ऑपरेशन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर डाली है। इसी अवधि में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली भी निशाने पर रहे। क्वेटा में शनिवार को एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए। इसके कुछ देर बाद आतंकवाद–निरोधक विभाग (सीटीडी) की गाड़ी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उसी दिन क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लगाए गए आईईडी में धमाका हुआ, जिससे पटरी क्षतिग्रस्त हो गई और क्वेटा आने–जाने वाली सभी ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। डेरा मुराद जमाली में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से बलूचिस्तान में आतंकी और अलगाववादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में पेशावर में एफसी परिसर पर हुए फिदायीन हमले में तीन लोग मारे गए थे, जबकि क्वेटा में पैरामिलिट्री कैंप के बाहर कार बम विस्फोट ने पूरे इलाके को हिला दिया था। कई हमलों की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी ली है।बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। प्रांत में टीटीपी के साथ–साथ बलूच विद्रोही संगठनों की गतिविधियां लगातार सिरदर्द बनी हुई हैं।

मातम में डूबा हांगकांग, 146 लोग जिंदा जले, सवाल पूछने पर चीन ठोक रहा देशद्रोह का केस

ताई पो (एजेंसी)। हांगकांग के ताई पो जिले के वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगी। इस दर्दनाक आग दुर्घटना में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 146 हो गया है, और अभी और शव मिलने की आशंका है। कई विदेशी नागरिक, जिसमें इंडोनेशिया के सात और फिलीपींस के एक नागरिक शामिल हैं, की भी मौत की पुष्टि हुई है। आग ने कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात ब्लॉकों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों का मानना है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि रोकी जा सकने वाली आपदा थी और यह अन्यायपूर्ण सिस्टम का जहरीला फल है। हजारों लोगों ने घटनास्थल पर फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि दी।

इस हादसे ने हांगकांग के निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पर गैर–इरादतन हत्या का आरोप है। एहतियात के तौर पर, शहर की 30 अन्य प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम रोक दिया गया है। यूके के ग्रेनफेल टॉवर पीड़ितों का केस लड़ने वाले वकील इमरान खान ने आंतरिक जांच के बजाय पब्लिक इंक्वायरी (सार्वजनिक जाँच) की मांग की है।

हमारा रोल शांति स्थापना का है, हमास को हथियार डालने पर मजबूर करना नहीं

– पाकिस्तान सीजफायर के बाद गाजा में अपनी सेना भेजने को तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हमास-इजराइल के बीच सीजफायर के बाद गाजा में सेना भेजने को तैयार है। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की। उन्होंने कहा कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन के तहत गाजा में सुरक्षाबलों को तैनात करेगा, लेकिन पाकिस्तान सैनिक फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को हथियार डालने पर मजबूर नहीं करेंगे। हम वहां शांति के लिए जा रहे हैं।

डार का ये बयान अमेरिकी मध्यस्थता वाले गाजा शांति समझौते पर चर्चा तेज होने के बीच आया है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों के सैनिकों से बने अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि गाजा में सेना भेजने का फैसला पीएम शाहबाज ने फील्ड मार्शल से परामर्श के बाद लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्पष्ट रूप से परिभाषित आदेश के तहत ही सेना भेजेगा और पाकिस्तानी सेना हमास को निरस्त्र करने में कोई भूमिका नहीं निभाएगी। डार ने जोर देकर कहा कि हमास को निरस्त्र करने का मुद्दा पहले रियाद में दो-राज्य समाधान पर हुई बातचीत के दौरान उठा था। पाकिस्तान इस तरह के किसी भी प्रयास में भाग नहीं लेगा। हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। हमारा रोल शांति स्थापना का है, न कि शांति लागू करने का। डार ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ ने सिद्धांत रूप से पाकिस्तान की भागीदारी पर सहमति दे दी है, लेकिन ये आईएसएफ के जनादेश और कार्यक्षेत्र के स्पष्ट होने पर निर्भर करेगा। इंडोनेशिया ने इस मिशन के लिए 20,000 सैनिकों की पेशकश की है।

पिछले महीने अटकलें थीं कि पाकिस्तान को हमास को निरस्त्र करने की भूमिका सौंपी जा सकती है, जिससे देश में राजनीतिक विरोध पैदा हो गया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो सरकारी प्रवक्ता के इस तरह के बयानों को बेबुनियाद और अस्वीकार्य बताकर निंदा भी की थी।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले हफ्ते गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए एक अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें आईएसएफ की तैनाती को भी अधिकार दिया गया था। पाकिस्तान समेत तेरह सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जबकि रूस और चीन ने मतदान से दूर रहे. हालांकि, हमास ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बल की निंदा की थी।

आज इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर इमरान के समर्थक करेंगे विरोध प्रदर्शन

-प्रदर्शन के बाद पीटीआई सांसद पूर्व पीएम से मुलाकात करने जेल जाएंगे

करांची। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के सभी सांसद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मंगलवार को विरोध–प्रदर्शन करेंगे और अदियाला जेल में बंद अपने नेता की रिहाई की मांग करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष नेता ने इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सीएम सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर विरोध–प्रदर्शन के बाद पार्टी नेता इमरान खान से मुलाकात करने के लिए रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली जेल जाएंगे। बता दें इमरान खान 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान को 4 नवंबर से पूरी तरह से अलग–थलग रखा गया है और किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि मंगलवार को सभी सांसद सबसे पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय जाएंगे और अदालत के मुख्य न्यायाधीश के सामने कड़ा विरोध–प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनके आदेशों के बावजूद सीएम को इमरान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अफरीदी ने कहा कि यह कोर्ट की स्पष्ट अवमानना ??है। हम इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में विरोध–प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पार्टी सांसद इमरान से मिलने अदियाला जेल जाएंगे।

फांसी की सजा के बाद एक और मामले में शेख हसीना को 21 साल की कैद

–स्पेशल कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में दोषी ठहराते हुए नई सजा सुनाई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष कोर्ट से बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

इससे पहले इस साल नेशनल क्राइम ट्यूबनल ने हसीना को ÷क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी÷ के लिए फांसी की सजा सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका की स्पेशल कोर्ट ने हाल ही में हसीना को तीन भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है। जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी ठहराया। शेख हसीना, शेख रेहाना, तुलिप रिजवाना सिद्दीक। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर करता है।

तुलिप सिद्दीक जो ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं उनका नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो गई है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को ÷राजनीतिक प्रतिशोध÷ बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को ÷कमजोर करने÷ की कोशिश कर रही है। जानकारों के मुताबिक शेख हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी।

एलन मस्क और कामत के पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही मची हलचल

एक्स' के जुनून पर मस्क बोले– कभी–कभी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है

वाशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का पॉडकास्ट खूब चर्चा में है। मस्क के साथ जेरोधा के सह-संस्थापक और अरबपति निखिल कामत ने पॉडकास्ट किया। इस पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। कामत ने 96 सेकंड का नया ट्रेलर जारी किया, जिसमें दोनों के बीच हुई बातचीत और हल्के-फुल्के पलों की झलक देखने को मिली। वीडियो में दोनों कॉफी पीते और हंसते मुस्कुरात नजर आए, जिसके बाद कई यूजर्स ने यह सवाल तक कर दिया था कि क्या वाकई यह बातचीत सच में हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निखिल कामत को इस पॉडकास्ट में एलन मस्क की कद-काठी देखकर हैरानी जताते हुए भी देखा गया। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'पहली बात जो मैं कहूंगा, आप जितना मैंने सोचा था उससे कहीं ज्यादा लंबे, भारी और मस्कुलर हैं। इस पर एलन मस्क मजाकिया अंदाज में

जवाब देते हैं, 'ओह, बस कीजिएउ आप मुझे शर्मिंदा कर देंगे। दोनों इस पर खूबर हंसते हैं।

इस बातचीत में एक दिलचस्प पल तब आता है जब कामत ने मस्क से पूछा कि 'द मैट्रिक्स' फिल्म का कौन-सा किरदार वे निभाना पसंद करेंगे। इस पर मस्क कहते हैं, 'उम्मीद है कि एजेंट स्मिथ नहींउ वह मेरा हीरो है। कामत ने सवाल किया कि आखिर 'एक्स' के प्रति उनका ऐसा जुनून क्यों है, मस्क हंसते हुए कहते हैं, 'कभी-कभी मैं भ सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है जाहिर है, मस्क की कंपनियां एक्स स्पेसएक्स और एक्सएआई सभी में इस अक्षर की झलक दिखती है।

टीजर के बाद सोशल मीडिया प प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर ने दोनों के बीच दिख रही 'केमिस्ट्री' क लेकर मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर न लिखा- जैसे ये एक-दूसरे को देख रहे हैंउप बिजनेस रोमांस लग रहा है। निखिल कामत का पॉडकास्ट पहले भी कई क्षेत्रों की बड़ हस्तियों को एक साथ लाने के लिए चर्चित रहा है। इसके पिछले एपिसोड्स में बिल गेट्स, किरन मजूमदार-शॉ, रणबीर कपूर नंदन नीलेकणी, कुमार बिड़ला परप्लेक्सिटी एआई के अरविंद श्रीनिवास और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसल शामिल हो चुके हैं। इस शो में पीएम मोदी भ गए हैं, जिनका इंटरव्यू इसी साल यूट्यूब प जारी किया गया था।

इजराइली पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार में फंसे अब राष्ट्रपति से मांग रहे क्षमादान

–कानूनी विशेषज्ञ बोले– यह क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा समते कई देशों पर हमला करने वाले इजराइल के पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामलों में इस कदर घिर गए कि अब वह राष्ट्रपति से क्षमादान मांग रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे पर रोक लगवाने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति से माफी मांगी है। नेतन्याहू इजराइल के ऐसे पहले पीएम हैं जो कि मुकदमे के बावजूद पद पर मौजूद हैं। नेतन्याहू पर विश्वासघात, रिश्वत लेने और पैसे के बदले टेलीकॉम कंपनियों और हॉलिवुड प्रोड्यूसर से राजनीतिक समर्थन हासिल करने का आरोप है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में अहम बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर

कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से क्षमादान का अनुरोध किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन मुकदमे चल रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक किसी भी मामले में दोषी नहीं करार दिया गया है। हालांकि इन मुकदमों से उनका करियर दांव पर लगा है। अगर किसी भी मामले में उन्हें दोषी पाया जाता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि हफ्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता।

नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा कि आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते हैं।

इंडोनेशिया झेल रहा प्राकृतिक मार, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से ज्यादा मौतें

हजारों घर बहे, सैकड़ों गांव कटे और पूरे के पूरे इलाके मिट्टी में हो गए दफन

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों प्राकृतिक कहर का सामना कर रहा है। करीब एक सप्ताह पहले आए ट्रॉपिकल साइक्लोन 'सिन्यार' ने सुमात्रा को ताबड़तोड़ बारिश, विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों में झोंक दिया। हजारों घर बह गए, सैकड़ों गांव कट गए और कई इलाके मिट्टी में दफन हो गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 440 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि कम से कम 400 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें से कई के मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि अचेह, नॉर्थ सुमात्रा और वेस्ट सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इलाका है। एजेंसी प्रमुख सुहार्यांतो ने चेतावनी दी कि सेंट्रल तापनूली और सिबोल्गा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। इन इलाकों तक न सड़क पहुंच रही है, न संचार, और न ही राहत। समुद्र और हवाई

रास्तों से आपूर्ति की जा रही है, लेकिन कई गांवों तक किसी भी तरह की सहायता अब तक नहीं पहुंची है। हजारों लोग खाने और पानी के इंतजार में कई दिनों से फंसे हैं।

दुर्गम स्थितियों के बीच भयावह स्थिति है। सुमात्रा के कई इलाकों में लोगों ने भूख से मजबूर होकर दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को नहीं पता था कि सहायता आ रही है, उन्हें डर था कि वे भूख से मर जाएंगे। इसलिए उन्होंने दुकानों से खाना और पानी उठाना शुरू कर दिया। स्थिति गंभीर है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

वेस्ट सुमात्रा की राजधानी पदांग से 100 किमी दूर सुनगई न्यालो गांव में पानी का बहाव भले ही कम हुआ हो, लेकिन अब पूरा गांव घुटनों तक मोटी, राख जैसी धूसर मिट्टी में दफन है। न घर बचा, न फसल, न वाहन चारों तरफ सिर्फ खामोशी और विनाश नजर आ रहा है।

न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, कई परिवारों पर संकट

– ऑडिट में पाया विदेशी लाइसेंस को बदलने की प्रक्रिया में हुई धोखाधड़ी

वेलिग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। देशभर में भारी वाहनों के लाइसेंस बदलने में मिले फर्जीवाड़े के बाद न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कड़ा कदम उठाया। इसके चलते कई भारतीय परिवार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी के ऑडिट में पाया गया कि विदेशी लाइसेंस को न्यूजीलैंड के लाइसेंस में बदलने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई है। पहले 440 लाइसेंस रद्द हुए थे, अब यह संख्या बढ़कर 459 हो गई है। ये सभी रद्दीकरण 'झूठे या बदले हुए दस्तावेजों' के कारण हुए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रद्द किए गए लाइसेंस सभी विदेशी ड्राइवर भारत से हैं! इनमें से 436 मामलों में यूएई से, 18 ऑस्ट्रेलिया से और पांच कनाडा से जारी दस्तावेज से जुड़े हैं। इनमें से कोई भी मामला सीधे भारतीय लाइसेंस के इस्तेमाल से नहीं जुड़ा है, क्योंकि भारत जैसे गैर-छूट वाले देशों के लिए न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट के नियमों के तहत पूरी तरह से टेस्टिंग जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले न्यूजीलैंड में हजारों भारतीय ड्राइवरों ने ऑनलाइन 27-54 हजार रुपए देकर जाली 'सपोर्ट लेटर' खरीदे। ये लेटर दिखाकर उन्होंने आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस और वीजा ले लिया। सरकार पहले इन्हें मान लेती थी, इसलिए सबका काम चल जाता था, लेकिन अब ऐसे जाली लेटर बिल्कुल अवैध माने जा रहे हैं। अब इन लेटर्स से मिला लाइसेंस और वीजा रद्द हो रहा है यानी वह पुराना आसान रास्ता अब हमेशा के लिए बंद।

इनमें ज्यादातर ड्राइवर 30-35 साल के हैं और उन्होंने थ्योरी और प्रैक्टिकल टेस्ट पास किया है। इसके अलावा सांसद परमजीत परमार ने न्यूजीलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री साइमोन ब्राउन को पत्र लिखकर कहा है कि ये मेहनती प्रवासी हैं जिन्होंने न्यूजीलैंड के ट्रकिंग सेक्टर में ड्राइवरों की कमी पूरी की। सभी ड्राइवरों ने समाधान की मांग की ताकि उनके परिवारों को मदद मिल सके।

ऑकलैंड के ताकानिनी गुरुद्वारे में 22 नवंबर को भारतीय ट्रक ड्राइवर और उनके परिवार जमा हुए और न्याय की मांग की। इस दिन अमृतपाल सिंह ने कहा कि न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने हमारी आमदनी छीन ली है और अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? वहीं परमिंदर सिंह ने बताया कि वे अपने घर का किराया भी नहीं दे पा रहे हैं। इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें न्यूजीलैंड में ट्रक चलाने वालों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। 2022 में 3,449 ड्राइवरों की कमी थी। इस सेक्टर में भारतीय प्रवासियों की भूमिका बढ़ गई।

2025 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई ड्राइवर, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं अब ट्रकिंग इंडस्ट्री के 20फीसदी तक हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, ÷उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।÷ हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह ख़ास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पाँच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफारीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व किकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

–एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हुए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम का घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद । सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, चामा मिलिंद107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसो बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15–16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक , गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुईं चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडे इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन

2018 - गकेरहा

2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)

2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनकों अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं। जैसे–जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए शत्रुघ्न

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और देशभर के प्रशंसकों को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके जाने के बाद साथी कलाकार लगातार भावनात्मक पोस्ट के जरिए उन्हें याद कर रहे हैं। इसी क्रम में दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा हाल ही में धर्मेंद्र के घर पहुंचे और उनके बेटों सनी देओल व बॉबी देओल से मुलाकात की। सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर कई थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली से लौटने के बाद वह भारी मन से धर्मेंद्र के घर पहुंचे। वहां सनी, बॉबी, उनकी पत्नी तान्या और पोते धरम व आर्यमन से मिलना बेहद भावुक अनुभव रहा। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र न सिर्फ एक महान कलाकार थे, बल्कि अद्भुत इंसान थे, जिनकी यादें हमेशा जीवित रहेंगी। उन्होंने दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति और परिवार के साहस के लिए प्रार्थना की। धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा की दोस्ती वर्षों पुरानी थी और दोनों ने 'दोस्त', 'कयामत', 'लोहा', 'आग ही आग' और 'गंगा तेरे देश में' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया। धर्मेंद्र का जाना हिन्दी सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। उनके योगदान और उनकी सरलता को हमेशा याद किया जाएगा।

धर्मेंद्र के घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी: मुकेश खन्ना

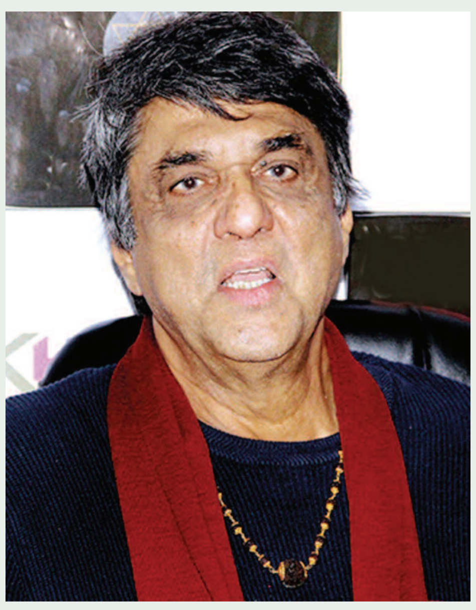

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के घर पर आखिरी दिनों की स्थिति कैसी थी, इसे लेकर अब अभिनेता मुकेश खन्ना ने बड़ा खुलासा किया है। एक वीडियो में मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने हाल ही में धर्मेंद्र से मुलाकात की थी और उनके घर पर ही अस्पताल जैसा पूरा सेटअप तैयार किया गया था।

मुकेश खन्ना ने कहा कि हॉस्पिटल से वापस घर आने के बाद वह लगभग पांच-छह दिन पहले उनसे मिलने गए थे। उन्होंने बताया, 'घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी। मुझे पता था कि उनसे ठीक से बातचीत नहीं हो पाएगी, लेकिन जाना जरूरी लगा।' उन्होंने बताया कि उस दौरान वह सनी देओल और बॉबी देओल से भी मिले और उन्हें हिम्मत बंधाई। मुकेश कहते हैं, 'मैंने उनसे कहा, 'वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं, जल्दी ठीक हो जाएंगे।' लेकिन आखिर वही होता है जो ईश्वर को मंजूर होता है। लोग शॉक में थे, क्योंकि सबको लगा था कि इतनी मजबूत काया वाले धर्मेंद्र रिकवर हो जाएंगे। उनके शरीर ने साथ छोड़ दिया, लेकिन उनकी आत्मा बहुत अच्छी थी। संस्मरण रह जाते हैं, आत्मा चली जाती है।'

उन्होंने भावुक होकर कहा कि धर्मेंद्र ने एक शानदार जिंदगी जी और उनकी सादगी तथा विनम्रता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे धर्मेंद्र के साथ छह फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिनमें 'तहलका' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आखिरी महीनों में भी धर्मेंद्र के चेहरे की सकारात्मकता और मुस्कान कभी कम नहीं हुई।

गौरतलब है कि धर्मेंद्र का 8 दिसंबर को जन्मदिन होता है और वे इस साल 90 साल के होने वाले थे। परिवार उनकी जन्मदिन की तैयारियां कर रहा था, लेकिन अक्टूबर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और नवंबर में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। 24 नवंबर को उनका निधन हो गया।

भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

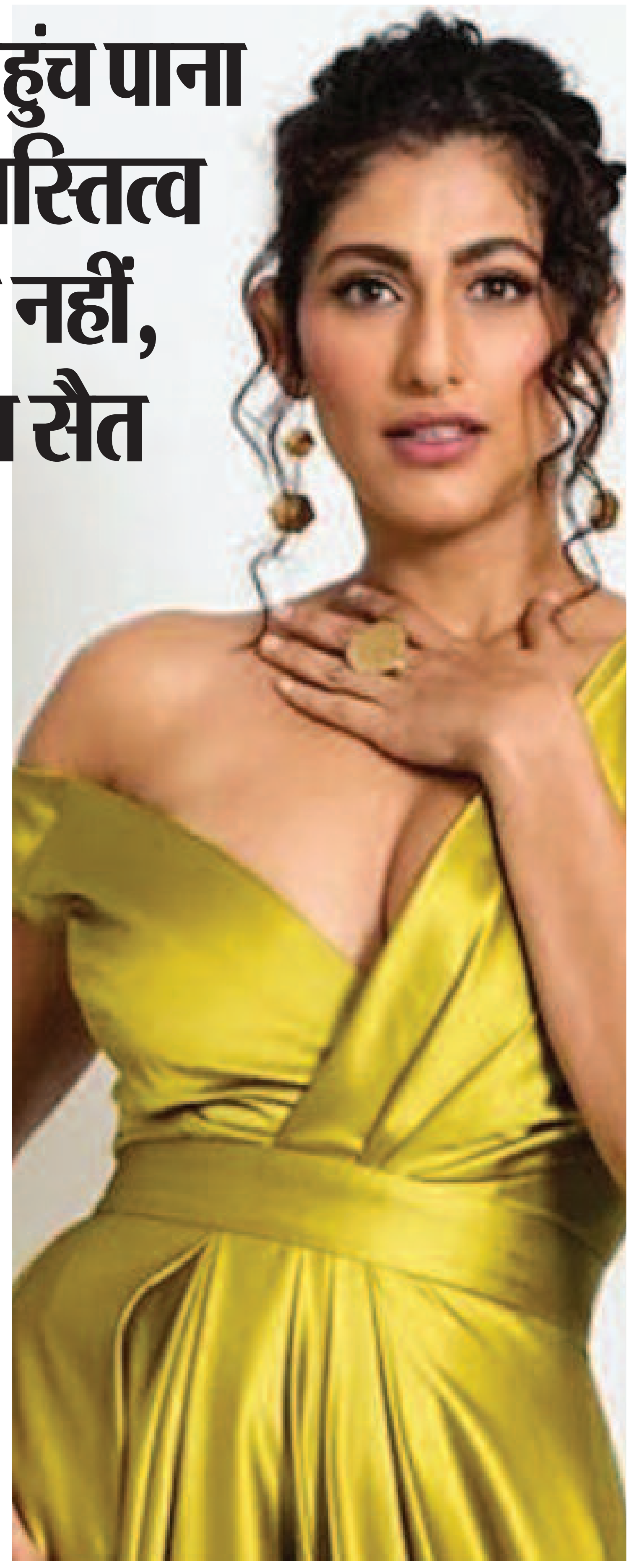

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है। कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, 卐एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक निर्देशक अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, जिससे भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।'

कुब्रा सैत ने कहा, 'हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा।'

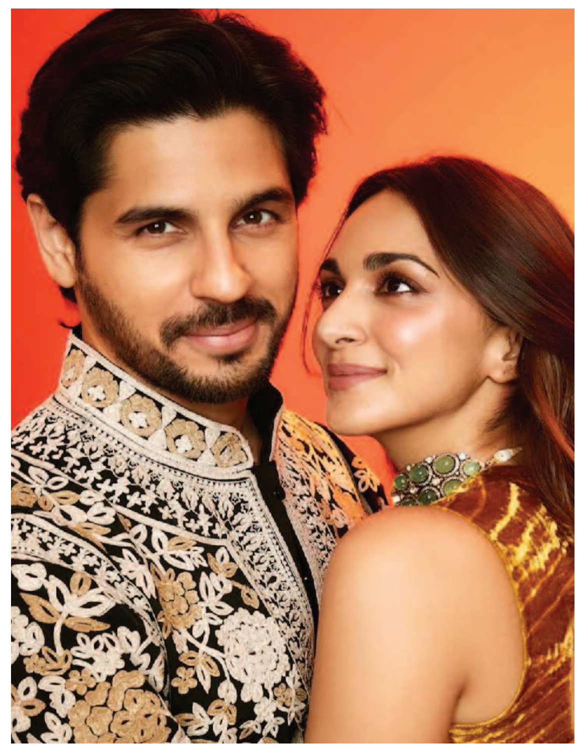

बेटी का नाम उजागर कर भावुक हुए कियारा-सिद्धार्थ

हाल ही में बॉलीवुड के हॉट कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने नन्हीं परी का नाम उजागर करते हुए भावुक होते नजर आए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'हमारी दुआओं से निकलकर हमारी बाहों में आने वालीज्हमारा आशीर्वाद, हमारी नन्ही राजकुमारी सरायाह मल्होत्रा।'

यह पोस्ट आते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी और फैंस व सेलेब्स ने कमेंट कर ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। सरायाह नाम का अर्थ भी उतना ही खूबसूरत है, जितना इसका उच्चारण। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में यह नाम अलग-अलग अर्थों में लिया जाता है, लेकिन सबसे लोकप्रिय अर्थ हिब्रू भाषा से आता है, जहां सरायाह का मतलब होता है ईश्वर का मार्गदर्शन या ईश्वर का शासन। इसका संकेत है उन बच्चों से, जिन पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है और जो अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा लेकर चलते हैं। माता-पिता के मुताबिक यह नाम उनके लिए सिर्फ एक पहचान नहीं बल्कि एक भावनात्मक आशीर्वाद है। कियारा और सिद्धार्थ के इस पोस्ट पर लाखों लाइक्स और अनगिनत कमेंट्स आए। लोग बेटी के नाम की खूब तारीफ कर रहे हैं और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'क्या प्यारा नाम चुना है, भगवान सरायाह को हमेशा खुश रखें।' वहीं कई लोगों ने यह लिखा कि नाम सुनते ही उनकी आंखें भर आईं और दिल खुश हो गया। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने अपने पैरेंट्स बनने की खुशखबरी 15 जुलाई को साझा की थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'हमारा दिल खुशी से झूम रहा है। हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी के मां-बाप होने का आशीर्वाद मिला है।' यह पोस्ट भी उस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिससे उनके फैंस बेहद खुश हुए थे। कियारा और सिद्धार्थ की शादी 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में हुई थी। कई दिनों तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्त, परिवार और कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए थे। बता दें कि बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी बेटी को लंबे इंतजार के दुनिया से परिचित कराया, हालांकि उन्होंने तस्वीर में बेटी का चेहरा नहीं दिखाया।

इंडस्ट्री में लंबा टिकना है तो लुक्स नहीं, अभिनय पर काम करो: शाहिद कपूर

अभिनेता शाहिद कपूर ने 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) समारोह में शिरकत की। समारोह में बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी जिंदगी के कई अनसुने पहलू और मनपसंद गानों के बारे में बात की। समारोह में मौजूद लोगों ने जब शाहिद से उनके मनपसंद गाने के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि अब तक का उनका पसंदीदा गाना फिल्म 'हैदर' का गाना 'बिस्मिल्ला' है। उन्होंने इस गाने के बारे में बताते हुए कहा कि ये गाना फिल्म की खूबसूरती से जुड़ा है, जिसे करके उन्हें बहुत अच्छा लगा।

इसके बाद उन्होंने डांसिंग सॉन्ग के बारे में कहा, 'मुझे डांसिंग सॉन्ग में 'मौजा ही मौजा,' 'नगाड़ा,' 'ढटिंग नाच,' 'साड़ी के फॉल सा,' और 'तेरी बातों में उलझा जिया' समेत कई गाने पसंद हैं। असल में मुझे डांस करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन काफी समय से मैंने डांस नहीं किया है। मेरे कई सारे कोरियोग्राफर दोस्त हैं, जो कि कहते हैं अब डांस क्यों नहीं करता है, और मैं उनसे मजाक में कहता हूं, तुम्हें आता है तो तुम कर लो!' अभिनेता ने आगे कहा कि आप हर किरदार में डांस नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'किरदार के हिसाब से काम करना जरूरी है। अब किसी डॉक्टर का किरदार है तो वो डांस क्यों ही करेगा? हालांकि कई डॉक्टर बहुत अच्छा डांस करते हैं।' शाहिद काफी लंबे समय से मनोरंजन जगत में काम कर रहे हैं और ज्यादातर प्रशंसक उन्हें उनके चार्मिंग लुक के लिए पसंद करते हैं। लुक्स को लेकर अभिनेता ने कहा, 'अगर इस इंडस्ट्री में लंबे समय तक दिखना है, तो आपको अपने अभिनय पर काम करना होगा, क्योंकि लुक्स, चार्म और स्टाइल से शुरुआती दिनों में काम चल सकता है, लेकिन आगे तक चलना है, तो अपने काम पर ध्यान दो। जब आप ईमानदारी से अपने किरदार में डूबते हैं तो आप अपने अंदर झांकते हैं और दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालते हैं, तभी असली संतुष्टि मिलती है।' अभिनेता ने बताया कि वे बहुत संवेदनशील व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर बात को गहराई से सोचता हूं। असल जिंदगी में भी हम अपने भाव छुपाते हैं, लेकिन अभिनय मेरे लिए वो रास्ता है, जहां पर मैं पूरी तरह से अपने अंदर की भावनाओं को खोलकर रख देता हूं।'

बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को बेस्ट वेब सीरीज पुरस्कार

56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्राइम वीडियो ने अपनी लोकप्रिय हिंदी और तमिल वेब सीरीज के साथ धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। महोत्सव में आयोजित बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) श्रेणी में बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में प्राइम वीडियो की अन्य ओरिजिनल सीरीज जैसे पाताल लोक सीज़न टू और तमिल सीरीज सुझल-द वर्टेक्स सीज़न टू भी नामांकित थीं। यह पुरस्कार प्राइम वीडियो के लिए दूसरी बार हासिल किया गया सम्मान है; इससे पहले 2023 में

पंचायत सीज़न टू को इसी श्रेणी में पुरस्कार मिला था। इस जीत ने भारत के तेजी से बढ़ते स्ट्रीमिंग इकोसिस्टम में प्राइम वीडियो की उत्कृष्टता को और मजबूत किया। पुरस्कार संजय जाजू, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और डॉ. एल. मुरुगन, राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण द्वारा प्रदान किया गया। जूरी का नेतृत्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता भरतबाला गणपथी ने किया, जिसमें निर्माता, निर्देशक और अभिनेता शामिल थे। अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और लिखा गया यह सीज़न, संगीत, अभिव्यक्ति, प्रतियोगिता और प्रेम के जरिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और विरासत की कहानी प्रस्तुत करता है।

ओटीटी ने दिया नए किरदारों का बड़ा मौका : मोना सिंह

छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह आजकल ओटीटी जगत में खूब चमक रही हैं। खास बात यह है कि मोना, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, अब छोटे पर्दे से पूरी तरह दूरी बना चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सोच-समझकर यह फैसला लिया है और अब वह टीवी पर वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। मोना का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न सिर्फ कलाकारों, बल्कि दर्शकों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं। उनके शब्दों में, 'जिस तरह की कहानियां आज ओटीटी पर दिखाई जा रही हैं, वो टीवी पर संभव ही नहीं है। टीवी पर बहुत सेंसरशिप और रेस्ट्रिक्शन होते हैं, जिसके कारण एक्टर के रूप में कॉम्पलेक्स और चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।' 'वह मानती हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्टर्स, राइटर्स और क्रिएटर्स को वह स्पेस दिया है जिसकी हमेशा से जरूरत थी। मोना ने यह भी बताया कि ओटीटी प्रोजेक्ट्स का वर्किंग स्ट्रक्चर काफी बेहतर है। 'तीन महीने में एक वेब शो करके आप ब्रेक ले सकते हैं और फिर ताजगी के साथ नए किरदार की तैयारी कर सकते हैं। यह मेरे लिए बेस्ट बैलेंस है। टीवी पर टाइमलाइन्स बहुत क्रेजी होती हैं, खासकर जब शो रोज प्रसारित होते हैं।

पहले सोमवार से गुरुवार तक एपिसोड आते थे, लेकिन अब पूरे हफ्ते। ऐसे में पता नहीं चलता कि पर्सनल लाइफ बचती भी है या नहीं,' मोना ने हंसते हुए कहा। टीवी को अलविदा कहने के अपने फैसले पर मोना काफी स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने टीवी से पूरी इज्जत के साथ विदा ली है। वहां मेरे लिए अब कुछ नया बचा ही नहीं है। मैंने सब कुछ कर लिया डेली सोप, रिएलिटी शो, होस्टिंग। मुझे जिन तरह के रोल चाहिए थे, उनके लिए मैंने लंबे समय तक इंतजार किया और अब वही मिल रहा है।' उन्होंने आगे बताया कि अगले साल उनकी तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं और वह फिल्मों और ओटीटी के बीच संतुलन बनाकर बहुत खुश हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।